राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 14 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–263 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लड़की की ना सुन भड़का सनकी आशिक, दिल्ली में सरेराह 13 बार चाकू मारा

नई दिल्ली। दिल्ली के लाडो सराय में 23 साल की प्राची पर एकतरफा प्यार में सनकी आशिक ने 13 बार चाकू से वार किया। अब अस्पताल में वह जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही है। एक एमएनसी में रिक्रूटर के रूप में काम करने वाली प्राची मलिक गुरुवार सुबह विश्वास नगर में एक इंटरव्यू वर्कशॉप के लिए निकली थी। लेकिन उसके इंतजार में पहले से खड़े गौरव पाल ने उसे अस्पताल के आईसीयू तक तक पहुंचा दिया। डीसीपी साउथ चंदन चौधरी ने घटना की पूरी जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को गौरव पाल ने सुबह करीब 8 बजे प्राची से बात की थी। प्राची ने उसे बताया था कि वह ऑफिस आ चुकी है। उसने गौरव को यह भी कहा था कि वह 6- 6¬30 तक ही निकल जाती है। इसके बाद उसने गौरव का नंबर भी ब्लॉक कर दिया। गौरव ने प्राची से 10-12 दिन पहले मुलाकात भी की थी। लेकिन प्राची उससे बातचीत में दिलचस्पी नहीं ले रही थी। गाजियाबाद में रहने वाला गौरव गुरुवार को प्राची से मिलने के लिए सुबह करीब 5:30 बजे ही उसके घर के पास आकर खड़ा हो गया। लड़की की मां शकुंतला मलिक ने कहा कि जब बेटी नमस्ते करती हुई घर से सुबह वर्कशॉप के लिए निकली तो वह सो ही रही थीं। डीसीपी के मुताबिक, पाल ने प्राची से बात करने की कोशिश की और उसे काम पर छोड़ने की पेशकश भी की। लेकिन प्राची ने उससे बात करने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों में बहस हुई और प्राची ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद लड़के ने उसके हाथ से फोन छीन लिया तो प्राची चोर-चोर चिल्लाने लगी। फिर वह कैब में जाकर बैठ गई। तमतमाया गौरव उसके पीछे कैब तक गया और जेब से चाकू निकालकर उसने ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। वह घर से जेब में रखकर चाकू लाया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्राची की चीखें सुनकर लोग कैब की ओर दौड़े। आसपास के लोगों और कैब चालक ने आरोपी को पकड़ लिया। 6:20 पर पुलिस को किसी ने सूचना दी। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें प्राची खून से सनी हुई है।

नीतीश ने 2024 के लिए शुरू किया मोदी जैसा कैंपेन, कोटे पर गली-गली चर्चा

नीतीश कुमार ने 2024 के आम चुनाव के लिए पीएम नरेंद्र मोदी जैसी ही कैंपेन रणनीति बनाई है। कर्पूरी पे चर्चा और भीम रथ निकालकर वह कोटे के मुद्दे को अगले कुछ महीनों तक जिंदा रखना चाहते हैं।

नई दिल्ली। बिहार में जातीय सर्वे कराकर उसके आंकड़े सामने रखने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब ओबीसी आरक्षण की मांग उठा रहे हैं। उनका कहना है कि ओबीसी समाज की आबादी यदि 60 फीसदी से भी ज्यादा है तो उन्हें उसके अनुपात में ही आरक्षण मिलना चाहिए। यही नहीं इस मसले को वह लोकसभा चुनाव तक जिंदा रखना चाहते हैं ताकि जातीय आधार पर ध्रुवीकरण हो और उसका फायदा मिल सके। अगले साल अप्रैल-मई तक लोकसभा चुनाव होने हैं और अगले 6 महीने तक नीतीश कुमार का फोकस ओबीसी आरक्षण पर ही रहने वाला है। इसके लिए भाजपा की ही कैंपेन स्ट्रैटजी को नीतीश कुमार दोहरा सकते हैं। भाजपा ने 2014 के आम चुनाव में चाय पे चर्चा नाम से कैंपेन किया था और जगह-जगह चाय पर लोगों को बिठाकर बात की थी। अब नीतीश कुमार इसी तर्ज पर कर्पूरी चर्चा शुरू करने वाले हैं। इसके तहत वे 7 टीमें बनाने वाले हैं, जो पूरे प्रदेश में जाएंगी। इस दौरान अति पिछड़े वर्ग के लोगों से टीम बात करेगी और उन्हें जातीय सर्वे के फायदे बताएगी। इन चर्चाओं के जरिए पिछड़े समुदायों को यह बताने की कोशिश होगी की नीतीश सरकार में उनके लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार में यदि जेडीयू और उसके सहयोगी दल आते हैं तो फिर आबादी के अनुपात में आरक्षण दिया जा सकता है। कर्पूरी चर्चा कैंपेन का नाम समाजवादी नेता और पूर्व बिहार सीएम कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा गया है। कर्पूरी ठाकुर को सोशल इंजीनियरिंग की राजनीति के पुरोधा के तौर पर देखा जाता है। जातीय सर्वे की रिपोर्ट

पेश होने से पहले ही जेडीयू ने कर्पूरी चर्चा का प्रोग्राम तय कर लिया था। पार्टी नेताओं का कहना है कि अब तक राज्य की 63 विधानसभा सीटों पर ऐसी चर्चाओं का आयोजन हो चुका है। एक नेता ने कहा कि हम जनवरी तक सभी 243 सीटों पर पहुंचने वाले हैं। यही नहीं अगले साल 24 जनवरी को पटना में एक बड़ा आयोजन होगा। यह कार्यक्रम कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर होगा। कर्पूरी चर्चा से जुड़े आयोजनों में जेडीयू ने उनके बेटे रामनाथ ठाकुर को लगाया है। इसके अलावा मंगनी लाल मंडल, मदन सहनी, शीला मंडल, कहकशा परवीन, चंद्रेश्वर चंद्रवंशी और धर्मेंद्र चंद्रवंशी जैसे नेताओं को इस आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। यही नहीं दलित वर्ग के मतदाताओं को लुभाने के लिए भीम संसद का भी आयोजन किया जा रहा है।

शिंदे से मिला राज ठाकरे का प्रतिनिधिमंडल

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और टोल वृद्धि और टोल बूथों और अन्य सुविधाओं पर भी मुद्दे उठाए हैं। प्रतिनिधिमंडल के साथ आए ठाणे के मुलुंड की हाउसिंग सोसायटी निवासियों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की। टोल को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। उन्होंने मांग की कि ठेकेदार को अनुबंध के अनुसार टोल बूथों पर आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए, साथ ही आवश्यक स्वच्छता सुविधाएं, एम्बुलेंस, प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं, क्रेन और शौचालयों की सफाई बनाए रखनी चाहिए।

श्री शिंदे ने एमएसआरडीसी के प्रबंध निदेशक राधेश्याम मोपलवार को शुक्रवार से प्रतिनिधिमंडल के

प्रतिनिधियों के साथ टोल बूथों पर सुविधाओं का निरीक्षण करें। जब मुख्यमंत्री के ध्यान में यह लाया गया कि ठेकेदार यह सुनिश्चित करेगा कि टोल बूथों पर पीले बैरियर तक वाहनों की कतार न लगे, तो श्री शिंदे ने इसके लिए अतिरिक्त जनशक्ति नियुक्त करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मुंबई क्षेत्र के सभी पांच टोल बूथों पर आने-जाने वाले वाहनों की संख्या की गणना करने के लिए वीडियोग्राफी कराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने टोल रोड पर फ्लाईओवर, पुल और सबवे का संरचनात्मक ऑडिट करने का भी निर्देश दिया।

आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ के लिए जारी की तीसरी लिस्ट जारी

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। इसमें 11 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। 11 उम्मीदवारों की इस लिस्ट में बैकुंठपुर विधानसभा से डॉ. आकाश जशवाल, कटघोरा से चंद्रकांत दिक्सेना और लोरमी विधानसभा सीट से मनभजन टंडन को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी दो लिस्ट जारी कर चुकी है। इसमें उन विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया गया है जहां पहले चरण में मतदान होना है।छत्तीसगढ़ में सात और 17 नवंबर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग होगी। यही नहीं मुंगेली से दीपक पात्रे, जयजयपुर से दुर्गालाल केवट, कसडोल से लेखराम साहू, गुंडरदेही से जशवंत सिन्हा और पंडरिया से चमेली कुर्रे को मौका दिया गया है। दुर्ग ग्रामीण से संजीत विश्वकर्मा,

● **आम आदमी पार्टी दो लिस्ट जारी कर चुकी है। इसमें उन विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया गया है जहां पहले चरण में मतदान होना है।छत्तीसगढ़ में सात और 17 नवंबर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग होगी।**

बस्तर से जगमोहन बघेल जबकि जगदलपुर से नरेंद्र भवानी चुनाव मैदान में होंगे। मालूम हो कि भाजपा भी अपने उम्मीदवारों की दो लिस्ट जारी कर चुकी है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि वह भी जल्द अपनी लिस्ट जारी कर देगी। हाल ही में अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि आम आदमी पार्टी राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश तीनों ही राज्यों पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। आम आदमी पार्टी ने अपनी पहली सूची में 10 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया था। आम आदमी पार्टी की दूसरी लिस्ट में 12 उम्मीदवारों को जगह दी गई थी। आम आदमी पार्टी ने एक्स पर तीसरी लिस्ट जारी करते हुए कहा कि इस बार चलेगी झाड़ू। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने 10 गारंटी का ऐलान किया है। इन गारंटी का वादा करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि उनकी गारंटी अलग और बाकी पार्टियों की गारंटी अलग है। केजरीवाल की गारंटी पक्की है। आप ने 24 घंटे और 300 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा किया है। साथ ही नवंबर तक के पुराने बिजली बिल माफ करने की बात कही है। साथ ही अच्छी शिक्षा और कच्चे टीचर्स को पक्का करने का वादा किया है। आप ने मुफ्त इलाज और हर गांव में मोहल्ला क्लीनिक खोलने की बात कही है। महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपए की आर्थिक मदद देने की बात कही है।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ी ठंड! लखनऊ में कोहरा...

आईएमडी ने इन राज्यों के लिए जारी किया भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में अगले दो दिनों तक भारी बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी. मौसम विभाग की मानें तो 13 अक्टूबर की रात से एक पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक्टिव होगा. वहीं, 14 अक्टूबर उत्तर पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों में इसका असर दिखाई देगा. पश्चिमी विक्षोभ के असर से 14 से 17 अक्टूबर के बीच निचले पहाड़ी इलाकों में बारिश और ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की गतिविधियां देखने को मिलेंगी.

नई दिल्ली के मौसम का हाल

दिल्ली के न्यूनतम तापमान में गिरावट से सुबह के वक्त ठंड बढ़ गई है. हालांकि दिन में अच्छी धूप के चलते दिन के वक्त गर्मी का एहसास बना रहता है. मौसम विभाग की मानें तो आज यानी 13 अक्टूबर को नई दिल्ली में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान 36 डिग्री दर्ज किया जा सकता है. वहीं, नई दिल्ली में आज

आसमान साफ रहेगा. मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार से नई दिल्ली में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है.

बदला अयोध्या मस्जिद का डिजाइन, अब भारतीय शैली में नहीं अरब देशों की तर्ज पर बनेगी मस्जिद

अयोध्या। सुप्रीम कोर्ट द्वारा राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद मामले में 2019 में सुनाए गए फैसले के तहत मुस्लिम पक्ष को अयोध्या में मिली 5 एकड़ जमीन पर प्रस्तावित मस्जिद ए अयोध्या का डिजाइन अब बदल दिया गया है. यह मस्जिद अब मध्य पूर्व और अरब देशों में बनने वाली भव्य मस्जिद की तर्ज पर बनेगी. इसका नाम पैगंबर मोहम्मद साहब के नाम पर रखा जाएगा. अयोध्या के धन्नीपुर में मिली 5 एकड़ जमीन पर मस्जिद, अस्पताल और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए बने इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष जुफर फारुकी ने समाचार एजेंसी को बताया कि मस्जिद ए-अयोध्या का डिजाइन अब बदल दिया गया है. फारुकी ने बताया कि मस्जिद का नाम पैगंबर मोहम्मद के नाम पर रखा जाएगा. इसके अलावा पहले इसकी डिजाइन भारत में बनने वाली मस्जिदों की तरह

सरल थी. लेकिन अब इसमें बदलाव करने का फैसला किया गया है. अब इसे मध्य-पूर्व और अरब देशों में बनने वाली भव्य मस्जिदों की तर्ज पर बनाया जाएगा. उन्होंने बताया कि पुणे के आर्किटेक्ट ने इसकी डिजाइन तैयार की है. इसे मुंबई में हुई बैठक में अंतिम रूप दिया गया. यह मस्जिद पिछली मस्जिद के डिजाइन के मुकाबले आकार में बड़ी होगी. इसमें बड़ी जगह होगी और एक साथ 5000 से ज्यादा नमाजी नमाज अदा कर सकेंगे.

उन्होंने बताया कि मुंबई में हुई बैठक में सुन्नी, शिया, बरेलवी और देवबंदी समेत सभी मुस्लिम मसलकों के लगभग एक हजार मौलवियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. उन्होंने बताया कि मस्जिद में 300 बेड वाला कैंसर अस्पताल भी बनाया जाएगा. अंतर्राष्ट्रीय फार्मा कंपनी वॉकहार्ट ग्रुप के अध्यक्ष डॉक्टर हाबील खुराकीवाला ने धर्मार्थ आधार पर अस्पताल स्थापित करने और उसे संचालित करने पर सहमति व्यक्त की है.

उन्होंने बताया कि कुछ महीनों से ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश को छोड़कर देश के विभिन्न राज्यों में चंदा जुटाने का अभियान शुरू किया है. अयोध्या में जल्द ही एक भव्य मस्जिद का निर्माण शुरू किया जाएगा. हालांकि प्रस्तावित मस्जिद और अस्पताल का नक्शा अब भी अयोध्या विकास प्राधिकरण के पास है क्योंकि प्राधिकरण से नक्शा जारी कराने के लिए मस्जिद ट्रस्ट को विकास शुल्क के रूप में प्राधिकरण को शुरुआत में एक करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा.

212 भारतीयों को लेकर इजरायल से दिल्ली पहुंची पहली फ्लाइट

अभी भी फंसे हैं 20 हजार

नई दिल्ली। फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के साथ इजराइल के युद्ध के बीच देश छोड़ने के इच्छुक 212 भारतीयों को लेकर पहली चार्टर उड़ान गुरुवार को बेन गुरियन हवाई अड्डे से रवाना हुई। यह फ्लाइट आज सुबह अब से कुछ ही देर पहले दिल्ली के हवाई अड्डे पर लैंड की है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय ÷पहले आओ पहले पाओ÷ के आधार पर स्थानीय समयानुसार रात 22¬14 बजे भारत के लिए रवाना हुए। ऑपरेशन अजय के तहत इज़रायल से भारत लाए गए एक भारतीय नागरिक ने कहा, ÷इज़रायल में युद्ध शुरू होने के बाद हमें भारत से हमारे परिवार और दोस्तों के फोन आने लगे थे, सभी हमारे लिए फिक्रमंद थे। मैं हमारे लिए इस ऑपरेशन के इज़रायल से भारत सुरक्षित लाए जाने पर भारत सरकार और भारत के विदेश मंत्रालय का शुक्रिया अदा करता हूं। केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा, हमारी सरकार किसी भी भारतीय को कभी पीछे नहीं छोड़ेगी। हमारी सरकार, प्रधानमंत्री उनकी सुरक्षा के लिए, उन्हें सुरक्षित घर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, विदेश मंत्रालय की टीम, एयर इंडिया की इस उड़ान के चालक दल के आभारी हैं जिन्होंने इसे संभव बनाया, हमारे बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ घर वापस लाया और उनके प्रियजनों के पास वापस पहुंचाया। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि भारत का पूरा ध्यान इजरायल

से भारतीयों को वापस लाने पर है। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद भारतीय जो वापस लौटना चाहते हैं, उन्हें भारतीय दूतावास में पंजीकरण कराने को कहा गया है। इजरायल में करीब बीस हजार भारतीय फंसे हैं। अरिंदम बागची ने ने एक सवाल के जवाब में कहा कि युद्ध प्रभावित पश्चिमी तट में 13 तथा गाजा पट्टी में 3-4 भारतीयों के मौजूद होने की सूचना है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि अभी तक किसी भारतीय के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीयों को वापस लाने के लिए चार्टर विमानों का इंतजाम किया गया है जो गुरुवार को इस्राइल के लिए रवाना हुए हैं। पहली फ्लाइट शुक्रवार की सुबह तक पहुंचने की उम्मीद है। यह पूछे जाने पर कि क्या वायुसेना के विमानों का भी उपयोग किया जाएगा? उन्होंने कहा कि चार्टर फ्लाइट की गई है लेकिन इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। पूर्व में भी ऐसे अभियानों में वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल किया गया है। इन विमानों में इजरायली नागरिकों को भेजने पर उन्होंने कहा कि इजरायली नागरिक कैसे अपने देश लौटेंगे, यह वहां का दूतावास तय करेगा। बागची ने कहा कि भारत हमास के हले को आतंकी कार्रवाई मानता है।

लोगों से संपर्क साधने में जुटा दूतावास

इजरायल में फंसे भारतीय लोगों की तलाश के लिए भारतीय दूतावास ने लोगों से संपर्क साधने का अभियान शुरू कर दिया है। तेल अवीव में भारतीय दूतावास के एक अधिकारी ने बताया कि लोगों की जानकारी जुटाने के लिए भारतीय कंपनियों के साथ बैठकें चल रही हैं। ई- मेल के जरिए अलग-अलग कंपनियों में काम करने वाले भारतीयों की सहूलियत के लिए ऑपरेशन अजय के तहत चलने वाली फ्लाइट की जानकारी दी जा रही है। अलग-अलग कॉलेजों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों का डाटा जुटाने के बाद उनसे भी संपर्क करने की कोशिश हो रही है।

ऑपरेशन अजय के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू-इजरायल में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी को लेकर विदेश मंत्रालय ने बृहस्तिवार को तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। विदेश मंत्री एस जयशंकर के नेतृत्व में हुई बैठक में एक-एक भारतीय की सुरक्षित वापसी पर ज्यादा जोर दिया गया। इजरायल में फंसे भारतीयों की वापसी के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। इजरायल में फंसे भारतीय लोग दूतावास के जरिए अपनी जरूरी जानकारी साझा कर वापसी के लिए पंजीकरण करा सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जातिगत जनगणना का मतलब वोट के लिए समाज को तोड़ने की साजिश

श्याम जाजू

जातीय जनगणना की कवायद बिहार की गरीब जनता में भ्रम फैलाने के सिवाय कुछ नहीं है। रिपोर्ट तो यह आनी चाहिए थी कि नीतीश कुमार और लालू यादव ने अपने 32 साल के शासन में गरीबों का कितना उद्धार किया, कितने लोगों को नौकरियां दीं? पर अगर ये आंकड़े आ गए तो सारी सच्चाई सामने आ जाएगी और वो गरीबों की आंखों में धूल नहीं झोंक पाएंगे।

अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बिहार में जातिगत जनगणना के नतीजे जारी किए गए हैं। यह 17 साल से सत्ता पर काबि नीतीश कुमार की मंशा पर सवाल उठाते हैं। बिहार जैसे प्रदेश में जहां पहले लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में कुल 32 वर्षों से पिछड़ों का ही राज हो, वहां आज भी पिछड़ों के पिछड़ा रह जाने का राग अलापा जाए तो सवाल खड़े ही होंगे। जाहिर है इतने वर्ष चुप रहने के बाद चुनावी फायदे की चाह में करवाई गई जाति जनगणना एक राजनीतिक षड्यंत्र और प्रपंच ही है। वैसे भी बिहार में व्यग्तिगत राजनीतिक स्वार्थों के लिए की गई ये प्रक्रिया संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है, क्योंकि 1948 के जनगणना कानून में जातिगत जनगणना करवाने का कोई प्रावधान ही नहीं है। जनगणना का विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की पहली सूची में आता है और इसलिए इस तरह की जनगणना को कराने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को है। इसलिए बिहार सरकार द्वारा की गई जाति जनगणना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि देश को राजनीतिक लाभ के लिए बांटने और तोड़ने की एक कुत्सित साजिश है।

दरअसल इन जातीय गणना करवाने वालों का समाज की बेहतरी से कोई लेना देना नहीं है। इनके द्वारा जातिगत गणना को ऐसे अंतिम दांव के रूप में देखा जा सकता है जो लोगों को कुशासन, बेरोजगारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दों से भटका कर और जातियों में बांटकर उलझाना चाहता है, जिससे समाज बंट जाए और बंटे हुए वोट शायद इनकी चुनावी नैया पार लगा दें। नीतीश कुमार और लालू यादव हमेशा की तरह ही जाति में आग लगाकर अपनी रोटी सेंक कर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। देश, समाज और गरीबों के हालात से न इन्हें कभी सरोकार रहा है, न कभी रहने वाला है।

जातीय जनगणना के समर्थक नेता कह रहे हैं कि जातियों की गणना से लोगों की स्थिति सुधरेगी। पर गरीबों का आंकड़ा तो सरकार के पास पहले से ही है। बिहार के कितने लोग गरीब और पिछड़े हैं, इसकी पूरी जानकारी शासन के पास है। तो क्यों नहीं सुधार किया अब तक? चाहे दलित हों, पिछड़े हों या मुसलमान हों, नीतीश कुमार और लालू-राबड़ी सरकार में उनकी हालत बद से बदतर ही हुई है। दरअसल, इनका दलित व पिछड़ा प्रेम सिर्फ जबानी जमा-खर्च है और कुछ नहीं। चाहे लालू यादव या नीतीश कुमार हों या कांग्रेस या स्व मुलायम सिंह यादव, इन्होंने हमेशा गरीबों का इस्तेमाल ही किया है। कभी जाति, कभी मजहब, कभी संप्रदाय के धागों में उलझा कर इन नेताओं ने उन्हें एक ऐसा वोट का एटीएम समझा है जिसमे कुछ बटन दबा कर जब चाहे अपने पाले में वोट डलवा लो।

सच तो यह है कि इस बात का कोई ठोस आधार नहीं है कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की रफ्तार जाति और वर्ग-भेद के कारण थमी हुई है और जाति के खांचे में बटते ही सर्वव्यापी सुधार होने लगेगा। जाति जनगणना के बाद गरीब की स्थित में प्रभावी परिवर्तन आ जाएगा, इसका भी कोई प्रामाणिक आधार नहीं है। वैसे भी आज के जमाने में आरक्षण सहित हर क्षेत्र में बिना बाधा समान अवसर उपलब्ध हैं तो जातिगणना से कैसे कुछ नया हो जाएगा? जाति जनगणना के समर्थकों का यह तर्क कि इससे विभिन्न जातियों के मध्य व्याप्त विसंगतियों को समाप्त करने में सहायता मिलेगी भी संदेहास्पद है, क्योंकि यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि समाज में सब से अधिक विसंगतियां जाति-आधारित विभाजन से ही आई हैं और अगर मान भी लीजिए कि जातिगत जनगणना से यह पता चल भी जाता है कि फलां जाति संख्या में कम या ज्यादा है तो इससे सरकार की लोककल्याणकारी नीतियों को कैसे बदला जाएगा? इसके उलट, जातीय विभाजन लोक-विमर्श के केंद्र में आने से वास्तविक उपेक्षा की मार झेल रहे वर्गों के चिह्नित होने और प्रताड़ित होने की सम्भावना बढ़ जाएगी। गरीबों का भला उनको जाति और उपजाति के रूप में चिह्नित करने से नहीं होगा बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति और 'अंत्योदय' की अवधारणा से उनका उद्धार करने से होगा। आज समय बराबरी का है और बढ़ते हुए भारत में लगातार बढ़ते समान अवसरों का है। होना तो यह चाहिए के समाज में सभी को बराबर समझा जाए और सभी को उन्नति अवसर दिए जाएं। जो सही में पिछड़े हैं, शासन उनकी शक्ति बने और जो कल के पिछड़े आज सशक्त और समर्थ बन गए हैं वो स्वेच्छापूर्वक आरक्षण लाभ का त्याग कर अन्य सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़े नागरिकों के लिये जगह बनाएं। इसके लिए सरकार को नहीं, समाज को ही आगे आना होगा। वैसे भी आज राज्य विकास के कई प्रकल्पों से स्वयं को अलग कर रहा है। उदारीकरण के बाद राज्य अब सबसे बड़ा नियोक्ता भी नहीं रहा। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आवास और आहार जैसे मूलभूत प्रकल्प निरंतर नव-उदारवाद से प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में बढ़ते, विकसित होते हुए समाज की प्रगति को रोक कर अपने क्षुद्र राजनीतिक फायदों के लिए जातीयता का संघर्ष बढ़ाना क्या उचित है? लग तो यह रहा है कि नेताओं का एक वर्ग नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने की बजाए देश को पुरानी उलझनों में ही उलझाए रखना चाहता है।

इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि हमारे समाज में अधिकाशंतः आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक पिछड़ापन जाति से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसके मूल कारण में सिर्फ जाति ही नहीं है, सदियों की दासता और अनेक ऐतिहासिक कारण भी हैं। इसको सिर्फ जाति से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा। अगर जाति जनगणना के समर्थकों की बात मानकर ऐसा किया जाए ताकि हर जाति की असल संख्या और जनसंख्या दर्ज हो तो इससे क्या लाभ होगा? क्या वाकई जातीय संख्या उल्लेखित होने से समावेशी विकास और नीति-निर्माण को बल मिलेगा? क्या समावेशी विकास को केवल जाति के आधार पर पुनः परिभाषित करने से विकास सुनिश्चित हो जायेगा? यह भी कहा जा रहा है कि हर जाति की संख्या जानकर हम समानता की राह पर आगे बढ़ेंगे, लेकिन क्या इससे अन्तरजातीय प्रतिस्पर्धा और अंतहीन सामाजिक संघर्ष नहीं बढ़ेगा?

देश के प्रधानमंत्री आज जब यह कह रहे हैं कि सबसे बड़ी आबादी गरीबों की है तो इसके पीछे भी बहुत बड़ा संदेश छिपा है। वो यह बता रहे हैं कि गरीब-गरीब होता है, वो अगर जातियों में बिखर गया तो फिर उसके साथ वही होगा जो लंबे समय से होता आया है-पिछड़े, गरीब की रट लगा-लगाकर सत्ता सुख भोगते रहो। पहले ये काम विदेशियों ने किया अब देश के कुछ राजनितिक दल यह करना चाहते हैं।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कह रहे हैं देश में जिनकी जितनी आबादी है, उन्हें उनका उतना हक मिलना चाहिए। यह एक बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना बयान है। अगर सब कुछ जनसंख्या से ही तय होना है तो फिर हर जाति और मजहब अपनी-अपनी जनसंख्या बढ़ाने पर लग जाएगा और आबादी के बोझ से दबा यह देश और दब जाएगा। चाहे राहुल हों या नीतीश कुमार, इन्हें सिर्फ अपनी सत्ता की परवाह है न कि गरीबों या पिछड़ों की। बिहार में अगर नीतीश और लालू को वास्तव में अति पिछड़ों की परवाह है तो उन्हें सत्ता पर अपना कब्जा छोड़ देना चाहिए और अति पिछड़े वर्ग के लोगों को बागडोर सौंप देनी चाहिए। पर न वो ऐसा कभी करेंगे न कांग्रेस शासित राज्य, क्योंकि यह उनके स्वार्थ से मेल नहीं खाता।

जातीय जनगणना की कवायद बिहार की गरीब जनता में भ्रम फैलाने के सिवाय कुछ नहीं है। रिपोर्ट तो यह आनी चाहिए थी कि नीतीश कुमार और लालू यादव ने अपने 32 साल के शासन में गरीबों का कितना उद्धार किया, कितने लोगों को नौकरियां दीं? पर अगर ये आंकड़े आ गए तो सारी सच्चाई सामने आ जाएगी और वो गरीबों की आंखों में धूल नहीं झोंक पाएंगे।

(लेखक, भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

भारत की आश्वस्ति

इस्राइल पर फिलिस्तीनी चरममंथी गुट हमास के हमले के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में वह यरुशलम की पीड़ित जनता के साथ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को आश्वस्त कर दिया कि संकट की घड़ी में हम आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। हालांकि प्रधानमंत्री के इस रुख से घरेलू मोर्चे पर कुछ भ्रम की स्थिति भी बनी है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि पारंपरिक रूप से भारत फिलिस्तीन के न्यायसंगत अधिकारों का समर्थक रहा हैग लेकिन मौजूदा मोदी सरकार इस लाइन से विचलित हो रही है। पिछले दिनों संपन्न हुई कांग्रेस कार्यसमिति (सीड़ब्ल्यूसी) की बैठक में फिलिस्तीन के अवाम की जमीन, स्वशासन और गरिमा के साथ जीवन के अधिकारों को लेकर समर्थन दोहराया गया। भारत और इस्राइल के बीच रक्षा और खुफिया सहयोग उच्चतम स्तर पर है। इतना सब कुछ होने के बावजूद मोदी सरकार ने अपनी विदेश नीति में संतुलित एप्रोच बनाए रखी है। भारतीय राजनयिकों को अच्छी तरह से पता है कि इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष बढ़ता है तो इस्लामी देश फिलिस्तीन के समर्थन में खुलकर आ सकते हैं। हालांकि हमास ने निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या करने का जो जघन्य अपराध किया है, उसके कारण उसका कोई समर्थन नहीं करेगा। फिर भी यदि ऐसा होता है तो भारत के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। वास्तव में भारत की स्पष्ट सैद्धांतिकी रही है कि आतंकवाद के किसी भी रूप के विरुद्ध मजबूती से खड़ा रहना है। अपनी इस नीति और सैद्धांतिकी के साथ किसी भी तरह का समझौता न करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस्राइल के साथ खड़े रहने का संकल्प जाहिर किया है। लेकिन वे फिलिस्तीन के लोगों के भी हमदर्द हैं और उनके न्यायसंगत अधिकारों के लिए भी आवाज उठाते रहे हैं। यही कारण है कि भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अबू अलहैजा ने भारत पर भरोसा जाहिर करते हुए कहा है कि भारत इस मसले में हस्तक्षेप करे और बातचीत में हमारी मदद करे। यह प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की कूटनीतिक सफलता ही है कि विश्व के किसी भी कोने में कोई संकट पैदा होता है तो हर कोई भारत की ओर उम्मीदों और हसरतों से देखता है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलत- इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलत- वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलत- सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अत- किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने किये आदि कैलाश के दर्शन, शंख भी बजाया

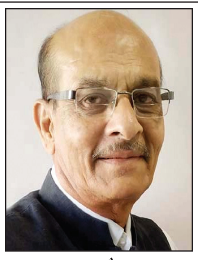

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदि कैलाश के दर्शन कर वहां पर उन्होंने साधना की। साधना करने के बाद उन्होंने शंख फूंककर आदि कैलाश से आशीर्वाद भी लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं। जिन्होंने कैलाश व्यू प्वाइंट में जाकर आदि कैलाश के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच राज्यों की चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही उत्तराखंड के दौरे पर गए थे। उन्होंने सबसे पहले पिथौरागढ़ से कैलाश व्यू प्वाइंट में जाकर आदि कैलाश के दर्शन किए। वहां पर साधना करने और मन्नत मांगने के पश्चात भारत-चीन सीमा से सटे गूंजी गांव गए। अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम पर दर्शन करने गए। उसके बाद पिथौरागढ़ में एक जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, कि उन्होंने सीमावर्ती गांव के लिए कुछ नहीं किया। हमारी सरकार सीमावर्ती गांवों को भारत का पहला गांव मानकर ज्यादा से ज्यादा विकास करने की नीति पर काम कर रही है। बॉर्डर एरिया पर भारत सरकार ज्यादा से ज्यादा विकास करायेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक खासियत तो है, कि वह अपनी भूमिका के हिसाब से ड्रेस कोड के साथ-साथ अपने आप को उसी छवि में पेश करते हैं। बरबस लोगों का ध्यान मोदी जी की ओर आकर्षित हो जाता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान वह आदि कैलाश के दर्शन करने चले गए। वहां पर उन्होंने साधना की, और शंख भी बजाया। इसका प्रचार प्रसार भी बड़े पैमाने पर सारे देश भर में किया गया। निजी और सरकारी दोनों यात्राएं एक साथ करते हुए आदि कैलाश के दर्शन और साधना कर उन्होंने निजी रूप से अपने धार्मिक एवं राजनैतिक आधार को मजबूत बनाया। वही पिथौरागढ़ में एक जनसभा को संबोधित कर उन्होंने सरकारी कार्यक्रम भी बना लिया। सीमावर्ती राज्यों में विकास को लेकर एक नई अवधारणा भी उन्होंने वहां के लोगों को समझा दी। सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को अपने आप और भाजपा से जोड़ने के लिए धार्मिक और भावात्मक दोनों आधार का उपयोग किया। यह अलग बात है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधे जनता के साथ नहीं मिलते हैं। लेकिन जिस तरीके से वह जनता के सामने पहुंचते हैं। उसमें एक चमत्कारिक सर्व संपन्न नेता के रूप में अपनी छवि को बनाने में जरुर सफल होते हैं। विधानसभा चुनाव की दृष्टिगत यदि कहा जाए कि आदि कैलाश के दर्शन करना और उसका बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार करना, साधना करते हुए, उनका फोटो और वीडियो सारी दुनिया भर में दिखाया गया। इतनी उम्र में शंख फूकते हुए प्रधानमंत्री का वीडियो मीडिया के सभी चैनलों और अखबारों में प्रमुखता से छापे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से अपनी इमेज समय-समय पर विकसित करते हैं। उसका बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार करते हैं। आम आदमी तक उनकी छवि पहुंचाने के लिए मीडिया का प्रबंध करते हैं। यही उनकी सफलता का राज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, छोटे-छोटे से कार्यक्रम को भी इतना बड़ा बनाकर पेश करते हैं। उससे आम आदमी प्रभावित हो जाता है। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी राजनैतिक सफलता है। आम जनता की नजरों में वह चमत्कारिक और साहसी नेता के रूप में छवि बनाए रखने में सफल होते हैं।

बैंक फ्रॉड़ : यह कैसा समाज!

रजनीश कपूर

बैंक फ्रॉड़ के मामलों में जांच एजेंसियों के ढुलमुल रवैये पर सवाल उठे आए हैं। संसद में भी इन मामलों को लेकर विपक्ष द्वारा सवाल उठते रहे हैं कि देश में ऐसे कितने लोग या कंपनियां हैंङ्क जिन्होंने देश के बैंकों के साथ धोखाधड़ी की है? इसके साथ ही ऐसे कई मामले हैं जिन पर सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, इनकम टैक्स और अन्य वित्तीय घोटालों की जांच एजेंसियां ढुलमुल रवैया अपना रही हैं? देश भर में ऐसे कई शातिर दिमाग के व्यापारी हैं, जो बैंकों को हजारों करोड़ का चूना लगा कर देश या विदेश में खुलेआम घूम रहे हैं। जांच एजेंसियां केवल चंद लोगों पर ही शिकंजा कसे हुए है। क्या जांच एजेंसियों के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं? क्या उन्हें गिने-चुने मामलों पर जांच करने के ही आदेश हैं? क्या सालों से लंबित पड़े हजारों करोड़ के अन्य मामले उनकी प्राथमिकता सूची पर नहीं हैं?

गौरतलब है कि जिन मामलों में सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों को तत्परता दिखानी होती है वहां तो रातों-रात गिरफ्तारी भी हो जाती है और कार्रवाई भी गति पकड़ती है, परंतु जहां ढील देने का मन होता है या ऊपर से ढील देने के 'निर्देश' होते हैं, वहां विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे आर्थिक अपराधियों को देश छोड़ कर भाग जाने का मौका भी दे दिया जाता है। बैंक खॅड के मामलों में, बिना बैंक के अधिकारियों की सांठ-गांठ के कोई भी बैंक को धोखा नहीं दे सकता। आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि देश के 'टॉप 50 विलफुल लोन डिफॉल्टरों' के ऋण की राशि हजारों करोड़ रुपये बैठती है। ये रकम इतनी ज्यादा कैसे हो गई? क्या बैंक के अधिकारी सो रहे थे? यदि कोई आम आदमी अपनी नई गाड़ी या नए घर के लिए बैंक से छोटा सा ऋण लेता है तो तमाम दस्तावेजों पर साइन कराए जाते हैं। गारंटी के तौर पर उसकी चल-अचल संपत्ति के दस्तावेजों को भी बैंक अपने पास गिरवी रख लेता है, परंतु देश के नामी बैंक लुटेरों के लिए सभी नियम और कानूनों की धज्जियां उड़ा दी जाती हैं। ऐसा केवल इसीलिए होता है कि कर्ज लेने वाला बैंक अधिकारियों को कर्ज लेने की एवज में मोटी रिश्वत देता है। कर्ज और ब्याज की राशि जब बहुत बड़ी हो जाती है और बैंक अधिकारी की नौकरी पर बन आती है तो शिकायत और जांच का नाटक शुरू हो जाता है, परंतु इन भ्रष्ट बैंक अधिकारियों पर कोई करवाई नहीं होती। लोक सभा पिछले सत्र में एक सवाल का उत्तर देते हुए भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने बताया कि 31 मार्च 2022 को खत्म होने वाले वित्तीय वर्ष में 'टॉप 50 विलफुल लोन डिफॉल्टरों' ने बैंकों के साथ 5,40,958 करोड़ धोखाधड़ी की है। लोक सभा में दिए गए इसी उत्तर में देश के 'टॉप 50 विलफुल लोन डिफॉल्टरों' की सूची में छटे नंबर पर एक नाम खॅस्ट इंटरनेशनल लिमिटेड का भी है। सूची के अनुसार इनके बैंक खॅड की रकम 3311 करोड़ है। इस कंपनी पर 14 बैंकों के एक समूह के साथ धोखाधड़ी का आरोप है। इस कंपनी के निदेशकों में उदय देसाई, सुजय देसाई, सुनील वर्मा, अनूप कुमार, बलदेव राज वढेरा और अन्य हैं। गक्षैरतलब है कि बैंक ऑफ इंडिया और इण्डियन ओवरसीज बैंक ने 2020 में उदय देसाई और 13 अन्य लोगों के खिलाफ सीबीआई में धोखाधड़ी के मामलों की एफआईआर लिखवाई थी। इतना ही नहीं बैंकों द्वारा इस समूह के निर्देशकों के खिलाफ 'लुक आउट नोटिस' भी जारी करवाया गया, परंतु इस मामले की जांच कर रही एजेंसियां किन्हीं कारणों से इस गंभीर मामले पर फुर्ती नहीं दिखा रही हैं। 2020 में जब इस मामले की एफआईआर दर्ज हुई थी तब यह मामला नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के 13000 करोड़ के बैंक खॅड मामले के बाद दूसरा सबसे बड़ा मामला था।

बैंक की एक्आईआर में उदय देसाई और उनके सहयोगियों पर आरोप है कि बैंक से लोन लेने के लिए इन्होंने फर्जी दस्तावेज जमा कराए। देसाई बंधुओं के खाते में तनाव के संकेत तब दिखाई देने लगे जब निर्यात आय प्राप्त नहीं होने के कारण बैंकों के साथ साख पत्र हस्तांतरित होना शुरू हो गए। देसाई की कंपनी के खाते को अंततः बैंक कंसोर्टियम द्वारा गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वगीर्कृत किया गया। बैंक द्वारा कंपनी के खातों का 'फॉरेंसिक ऑडिट' भी करवाया गया, जिसमें यह पाया गया कि किसी भी माल का कोई वास्तविक निर्यात हुआ ही नहीं था। लोडिंग और डिस्चार्ज पोर्ट की तुलना में जहाज की आवाजाही के आंकड़े भी बेमेल थे। बैंक खॅड जैसे बड़े घोटालों की जांच कर रही एजेंसियों का ढीला रवैया ही ऐसे अपराधियों को देश छोड़ने का मौका देते हैं। अगर सही वक्त पर एजेंसियों द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाती है तो जनता के बीच यह संदेश जाता है कि जांच एजेंसियां अपना काम स्वायत्तता और निष्पक्ष रूप से कर रहीं हैं। देश की शीर्ष जांच एजेंसियों का सिद्धांत यह होना चाहिए कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। फिर वो चाहे किसी भी विचारधारा या राजनैतिक पार्टी का समर्थक ही क्यों न हो। ऐसा करने से अपराधियों के बीच भी खौफ का संदेश जाएगा और लोगों का इन एजेंसियों पर विश्वास भी बढ़ेगा।

इन्फोसिस का मुनाफा दूसरी तिमाही में 3.1 फीसदी बढ़ा

मुंबई । चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 3.1 प्रतिशत बढ़कर 6,215 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में मुनाफा 6,026 करोड़ रुपए रहा था। इंफोसिस ने 'निर्णय लेने में सुस्ती और विवेकाधीन खर्चों पर निरंतर दबाव के कारण पूरे साल के राजस्व परिदृश्य यानी अनुमान को घटाकर 1-2.5 प्रतिशत कर दिया। सकारात्मक पक्ष देखें तो कंपनी ने 7.7 अरब डॉलर के कुल अनुबंध मूल्य के साथ अब तक का सबसे बड़ा सौदा किया और घोषणा की कि वेतन वृद्धि एक नवंबर से शुरू की जाएगी। हालांकि इंफोसिस ने आगाह किया कि अनिश्चित माहौल के बीच विवेकाधीन परियोजनाओं और बड़े परिवर्तन कार्यक्रमों में काफी कमी आई है। कंपनी ने अपने वित्त वर्ष 2024 के वृद्धि अनुमान को एक प्रतिशत घटाकर 1-2.5 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 1-3.5 प्रतिशत था। यह कदम कमजोर वैश्विक माहौल के बीच 245 अरब डॉलर वाले भारतीय उद्योग द्वारा पेश की जाने वाली तकनीकी सेवाओं की मांग पर विश्लेषकों की चिंताएं बढ़ने के कारण उठाया गया है। आईटी सेवा बाजार में टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अन्य कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रही इन्फोसिस का राजस्व सितंबर तिमाही में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 38,994 करोड़ रुपए रहा।

ल्यूपिन को जेनेरिक दवा के लिए यूएसएफडीए से मिली मंजूरी

नई दिल्ली । दवा निर्माता कंपनी ल्यूपिन को दिन में अत्यधिक नींद आने की समस्या को कम करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक जेनेरिक दवा को अमेरिकी बाजार में बेचने के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिल गई है। मुंबई स्थित दवा निर्माता की ओर से जारी एक बयान के अनुसार कंपनी इस दावा के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) से अस्थायी मंजूरी मिल गई है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम और सोडियम ऑक्सीबेट्स है। कंपनी का उत्पाद जैज़ फार्मास्यूटिकल्स के ज़ाइवाव ओरल सॉल्यूशन को टक्कर देगा।

क्वालकॉम अमेरिका में 1,200 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करेगा : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। चिप निर्माता क्वालकॉम ने अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में अपने दो ऑफिस में लगभग 1,258 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, कैलिफोर्निया रोजगार विकास विभाग के साथ हालिया फाइलिंग के अनुसार, कंपनी ने बताया कि वह सैन डिएगो से लगभग 1,064 और सांता क्लारा से 194 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों कार्यालयों में नौकरी में कटौती 13 दिसंबर के आसपास प्रभावी होगी। इस छंटनी से कार्यबल का लगभग 2.5 प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित होने की संभावना है। कंपनी के हालिया वार्षिक वित्तीय विवरण के अनुसार, इसमें 51,000 से अधिक लोग (सितंबर 2022 तक) कार्यरत हैं। फाइलिंग में कहा गया है, हालांकि, किसी भी स्थान पर कोई फैसिलिटी बंद नहीं होगी। अगस्त में, स्मार्टफोन की बिक्री में जारी गिरावट और संभावित छंटनी की चेतावनी के बाद क्वालकॉम के शेयरों में वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के लिए निराशाजनक दृष्टिकोण प्रदान करने के बाद गिरावट आई। 25 जून को समाप्त अपनी वित्तीय तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए अमेरिकी सिक्योरिटीज फाइलिंग में कंपनी ने कहा, हम अपनी योजनाओं को विकसित करने की प्रक्रिया में हैं, वर्तमान में हम उम्मीद करते हैं कि इन कार्रवाइयों में बड़े पैमाने पर कार्यबल में कटौती शामिल होगी और ऐसी किसी भी कार्रवाई के संबंध में हम महत्वपूर्ण अतिरिक्त पुनर्गठन शुल्क लगने की उम्मीद करेंगे।

एचडीएफसी लाइफ ने दूसरी तिमाही में 376 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया

चेन्नई।

निजी जीवन बीमा कंपनी एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही मे पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक प्रीमियम आय और शुद्ध लाभ दर्ज किए। एक नियामक फाइलिंग में एचडीएफसी लाइफ ने कहा कि उसने लगभग 14,755 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रीमियम और लगभग 376 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। हालांकि, कंपनी ने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में लगभग 415 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। इसीअवधि के दौरान, एचडीएफसी लाइफ ने 8,104 करोड़ रुपये की निवेश आय अर्जित की जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान अर्जित 9,782 करोड़ रुपये से कम है। वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी का प्रबंधन खर्च लगभग 2,521 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,926 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी लाइफ के अनुसार, उसने वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में पॉलिसियों के तहत लाभ के रूप में लगभग 9,337 करोड़ रुपये का भुगतान किया था, जो कि वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही में भुगतान किए गए 11,730 करोड़ रुपये से कम है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 83.26 पर बंद हुआ। घरेलू व्यापक आर्थिक आंकड़ों के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से आज शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.24 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा विश्लेषकों ने बताया कि एशियाई बाजारों के नकारात्मक रुख और विदेशी कोष की सतत निकासी के कारण भारतीय मुद्रा पर दबाव बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.24 प्रति डॉलर के भाव पर खुला और 83.23 से 83.25 प्रति डॉलर के सीमित दायरे में कारोबार किया। बाद में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार के बंद स्तर 83.24 पर स्थिर रहा। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 106.44 पर रहा।

लैपटॉप के आयात पर लगे प्रतिबंध के फैसले को सरकार ने लिया वापस

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने लैपटॉप आयात पर प्रतिबंध वापस ले लिया है। सरकार ने अगस्त महीने में अचानक से लैपटॉप आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार लैपटॉप आयात को प्रतिबंधित करने की अपनी योजना को वापस ले रही है, महीनों पहले अचानक लाइसेंस प्रणाली शुरू करने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना था, लेकिन मुक्त व्यापार में हस्तक्षेप के रूप में उद्योग जगत ने इसकी आलोचना की थी। . वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत लैपटॉप आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार केवल यह चाहती है कि आयातकों पर कड़ी नजर रखी जाए। सरकार ने कहा कि 3 अगस्त को घोषित आयात लाइसेंसिंग व्यवस्था का उद्देश्य भारत में ही हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलप को बढ़ावा देना था। हालांकि, उद्योग की आपत्तियों और अमेरिका की आलोचना के बाद नई लाइसेंस प्रणाली की शुरूआत में तीन महीने की देरी हुई, जो भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। प्रतिबंधों से एप्पल, डेल, एचपी और कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज सैमसंग जैसी अमेरिकी कंपनियों की बिक्री प्रभावित होगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि सरकार विचार कर रही है और लैपटॉप आयात पर एक नया ऑॅर्डर अक्टूबर के अंत तक घोषित किया जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 125, निफ्टी 42 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। वहीं टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, टीसीएस और बजाज ट्विन्स के शेयरों में हुई खरीदारी से दूसरे सत्र में बाजार में कुछ सुधार आया पर इसके बाद भी अंत में वह गिरावट पर बंद हुआ। आज के कारोबार में तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स और पचास शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में भी गिरावट रही पर मिडकैप इंडेक्स 0.1 फीसदी जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.2 फीसदी बढ़ा।

इससे पहले आज दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों और आईटी कंपनियों के तिमाही वित्तीय प्रदर्शन पर चिंताओं से निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद

सेंसेक्स 125.65 अंक करीब 0.19 फीसदी टूटकर 66,282.74 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,478.90 तक ऊपर जाने के बाद 65,895.41 तक गिरा। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी में भी 42.95 अंक करीब 0.22 फीसदी की गिरावट रही। इस प्रकार निफ्टी दिन के अंत में 19,751.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,805.40 तक ऊपर जाने के बाद 19,635.30 तक गिरा। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 16 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक 4.76 फीसदी बढ़े, इसके अलावा इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और मारुति सुजुकी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे जबकि टाटा मोटर्स के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 14 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एक्सिस बैंक, इंफोसिस, एसबीआई, विप्रो और एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स के टॉप लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एक्सिस बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.33 फीसदी तक गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 65,895 पर खुला और हालांकि, कुछ देर में यह 66,379 के स्तर पर आ गया। निफ्टी 50 को 19,700 पर कारोबार करते देखा गया। इन्फोसिस 2 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में रही

एनटीपीसी कंपनी फोर्ब्स की 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता 2023' सूची में शामिल होने वाला बना एकमात्र भारतीय पीएसयू

कोरबा ।

भारत देश के सबसे बड़े एकीकृत ऊर्जा समूह, एनटीपीसी लिमिटेड को 10 अक्टूबर को जारी फोर्ब्स वर्ल्ड की सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता सूची 2023 में ÷विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता 2023÷ में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। यह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 700 कंपनियों में से 261वें स्थान पर है और इस सूची में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय पीएसयू भी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि एनटीपीसी में लोगों की प्रैक्टिस दुनिया की शीर्ष कंपनियों के बराबर है।

हर साल फोर्ब्स शीर्ष 700 कंपनियों की पहचान करने के लिए स्वतंत्र बाजार अनुसंधान के माध्यम से विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं की सूची प्रकाशित करता है जो रोमांचक कामकाजी और सकारात्मक माहौल, प्रशिक्षण और कैरियर उन्नति के अवसर, कर्मचारी लाभ, कर्मचारी केंद्रित और कार्यस्थल विविधता प्रदान करते हैं। फोर्ब्स ने इस वर्ष विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं की सातवीं वार्षिक सूची बनाने के लिए मार्केट रिसर्च फर्म स्टेटिस्टा के साथ साझेदारी की।

यह एनटीपीसी के प्रगतिशील और ÷पीएलएफ से पहले लोग' दृष्टिकोण, निरंतर प्रक्रिया में सुधार के माध्यम से अपने मानव संसाधनों के विकास और प्रबंधन में उत्कृष्टता, एक देखभाल, सीखने और आकर्षक कार्यस्थल, कर्मचारी कल्याण और देखभाल और एक सार्थक, सहयोगी कर्मचारी अनुभव बनाने को मान्यता देता है। कर्मचारियों की ज़रूरतों को पहले रखना और रणनीतिक रूप से व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप लोगों की प्रथाओं को अपनाना। प्रगतिशील लोगों की नीतियों और हस्तक्षेपों ने इसके कार्यबल को चुस्त और भविष्य के लिए तैयार रहने में मदद की है। निरंतर मूल्यांकन, केंद्रित शिक्षण और विकास पहल, पारदर्शी कैरियर विकास और उत्तराधिकार योजना प्रणाली के साथ समकालीन प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली की शुरूआत, प्रगतिशील और सहायक लोगों की नीतियों के अलावा एनटीपीसी के लिए अद्वितीय सक्षम और आकर्षक संस्कृति का निर्माण करने वाले कुछ कारक हैं।

भारतीय पेटेंट कार्यालय 900 लोगों की नियु क्ति करेगाडीपीआईआईटी सचिव

नई दिल्ली । भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) बौद्धिक संपदा आवेदनों की बढ़ती संख्या से निपटने के मकसद से 900 और लोगों को नियुक्त करेगा। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 2016 के बाद से पेटेंट दाखिल करने में दस गुना और ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल करने में छह गुना वृद्धि हुई है। सिंह ने राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सम्मेलन में कहा कि इन आवेदनों से निपटने के लिए आईपीओ की क्षमता को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा` कि हम 900 नए पद जोड़ने जा रहे हैं जिनके लिए पहले से हमारे पेटेंट कार्यालय में भर्ती का काम जारी है। सिंह ने साथ ही कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से भारत को अपनी वैश्विक नवाचार सूचकांक रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली है। जिनेवा स्थित विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2023 रैंकिंग में भारत ने 132 अर्थव्यवस्थाओं में अपनी 40वीं रैंक बरकरार रखी है। उन्होंने कहा, हालांकि रैंकिंग में सुधार हो रहा है, लेकिन अभी हमें लंबा सफर तय करना है।

म्यूचुअल फंड स्टार्टअप कुवेरा पर क्रेड की नजर : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

स्टॉक और म्यूचुअल फंड ब्रोकिंग मार्केट, जिस पर वर्तमान में जेरोधा और ग्रो जैसी कंपनियों का दबदबा है, में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिल रही है। क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट लीडर क्रेड कथित तौर पर ऑनलाइन वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म कुवेरा का अधिग्रहण करने के लिए बातचीत कर रहा है। एक सूत्र का हवाला देते हुए टेकक्रंच की रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिग्रहण की बातचीत अभी चल रही है। डील को कुछ ही हफ्तों में अंतिम रूप दिया जा सकता है। क्रेड या कुवेरा ने रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की। 2016 में स्थापित फिडेलिटी-समर्थित कुवेरा अपने यूजर्स को भारतीय और अमेरिकी स्टॉक, म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करने की अनुमति देता है। रिपोर्ट के अनुसार, कुवेरा ने अब तक लगभग 10 मिलियन डॉलर जुटाए हैं और उसके पास 1.4 बिलियन डॉलर का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) है। 6 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य वाली क्रेड, यह देखते हुए कि भारतीय म्यूचुअल फंड मार्केट तेजी से बढ़ रहा है, पिछले कुछ समय से अपने वेल्थ मैनेजनेंट ऑफर्स का विस्तार कर रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के अनुसार, भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम 575 अरब डॉलर से ज्यादा है, जो एक साल पहले की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। इस बीच, क्रेड ने पिछले हफ्ते कहा कि वित्त वर्ष 21-22 में 422 करोड़ रुपये की तुलना में उनकी कुल आय वित्त वर्ष 22-23 में 3.5 गुना (लगभग 252 प्रतिशत) बढ़कर 1,484 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने एक बयान में कहा, फिनटेक यूनिकॉर्न का घाटा (ईएसओपी लागत को छोड़कर) वित्त वर्ष 2011-22 में 1,167 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत कम होकर वित्त वर्ष 22-23 में 1,047 करोड़ रुपये हो गया।

आयात में गिरावट के चलते सितंबर में भारत का व्यापार घाटा कम हुआ

नई दिल्ली÷

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि भारत का व्यापार घाटा अगस्त में 24.2 अरब डॉलर से घटकर सितंबर में 19.4 अरब डॉलर हो गया। सितंबर महीने के दौरान आयात में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश का निर्यात पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 2.6 प्रतिशत घटकर 34.47 अरब डॉलर रह गया, जबकि सितंबर में आयात 53.84 अरब डॉलर था। पिछले महीने निर्यात 34.48 अरब डॉलर था, जबकि आयात 58.64 अरब डॉलर था। महीने के हिसाब से देखें तो अगस्त की तुलना में सितंबर में निर्यात स्थिर रहा जबकि आयात में 8.2 प्रतिशत की गिरावट आई। सितंबर के दौरान जिन चीजों के निर्यात पर असर पड़ा उनमें पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न एवं आभूषण और इंजीनियरिंग सामान शामिल हैं। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का प्रदर्शन बेहतर रहा। माह के दौरान सोने का आयात बढ़ गया।

ईडी ने तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड के आईपीओ घोटाले में तीन को गिरफ्तार किया

ईडी ने तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड के आईपीओ घोटाले में तीन को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) घोटाले के मामले की जांच के सिलसिले में निर्मल कोटेचा, पवन कुचाना और किशोर तापड़िया को गिरफ्तार किया है। तीनों को बुधवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्हें गुरुवार को हैदराबाद में एमएसजे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 25 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ईडी ने कहा कि कोटेचा और कुचाना वर्तमान में क्रमशः वानुअतु गणराज्य और अमेरिका के निवासी हैंईडी का मामला भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड, उसके प्रमोटरों या निदेशकों और अन्य के खिलाफ 10 रुपये के 55,00,000 शेयरों के आईपीओ के संबंध में अनियमितताओं के लिए दायर की गई शिकायत पर आधारित है, जिसके लिए निर्गम मूल्य तय किया गया था। 150 रुपये और जिसके जरिए तकशील ने 80.50 करोड़ रुपये जुटाए. एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच से पता चला है कि कुचाना, कोटेचा और तापड़िया ने आईपीओ जारी करने के लिए तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड के राजस्व को बढ़ाने और बाद में आईपीओ की आय को डायवर्ट करने और निकालने के लिए एक सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध रणनीति तैयार की। आईपीओ जारी करने की सुविधा के लिए, कोटेचा ने तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड को 34.50 करोड़ रुपये के इंटर-कॉर्पोरेट डिपॉजिट (आईसीडी) की व्यवस्था की।

उक्त धनराशि को कुचाना से संबंधित अमेरिकी आधारित संस्थाओं के माध्यम से घुमाया गया और तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड के साथ सर्कुलर लेनदेन किए गए। वित्तीय जांच एजेंसी ने कहा, आईपीओ के परिणामस्वरूप राजस्व में वृद्धि हुई और लाभप्रदता में वृद्धि हुई। आईपीओ के बाद, आईसीडी को आईपीओ आय से चुकाया गया।

साइबर सुरक्षा कंपनी एक्रोनिस ने पुनर्गठन के बीच कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली÷

वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी एक्रोनिस पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत अपने कुछ कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। 2003 में सिंगापुर में स्थापित कंपनी ने प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। एक्रोनिस ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, हम उन प्रोजेक्ट्स और पहलों को प्राथमिकता देंगे जिनसे हमारे पार्टनर्स को तुरंत लाभ होगा÷ बेस्ट-इन-क्लास प्रोडक्ट कैपेबिलिटीज, रिलायबिलिटी और परफॉर्मेंस, टेक्निकल एंड बिजनेस एजुकेशन और बढ़े हुए सेल्स एंड मार्केटिंग सपोर्ट। कंपनी ने कहा, हम अपने संगठन का पुनर्गठन कर रहे हैं, और इस प्रक्रिया में, हम अपने कुछ कर्मचारियों से अलग हो जाएंगे। हम इस बदलाव से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इसमें कहा गया कि कारोबार विकसित हो रहा है और इस प्रक्रिया से उनके साझेदारों को फायदा होगा। कंपनी ने कहा, एक्रोनिस प्रोडक्ट इनोवेशन, डेटा सेंटर, टेक्निकल सपोर्ट, अकाउंट मैनेजमेंट और भागीदारों के लिए बिक्री और विपणन टूल में अधिक निवेश करेगा। एक्रोनिस के 45 लोकेशन्स पर 2,000 से अधिक कर्मचारी हैं। इसका साइबर प्रोटेक्ट समाधान 150 से अधिक देशों में 26 भाषाओं में उपलब्ध है और 7,50,000 से ज्यादा बिजनेस की सुरक्षा के लिए 18,000 सर्विस प्रोवाइडर्सद्वारा इसका उपयोग किया जाता है। 2021 में, एक्रोनिस को 2.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा के मूल्यांकन पर सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स 7 और अन्य निवेशकों से 250 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग प्राप्त हुई। कंपनी ने कहा, एक्रोनिस के पार्टनर्स अपने कस्टमर्स को विश्वसनीय और लाभदायक सर्विस प्रदान करने के लिए बेस्ट-इन-क्लास के प्रोडक्ट्स प्राप्त करना जारी रखेंगे।

विश्व कप में आज होगा हाईवोल्टेज मुकाबला, पाकिस्तान के खिलाफ उतरेगी टीम रोहित

-डेंगू बुखार से उबर कर नेट पर अभ्यास कर रहे शुभमन गिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। शनिवार के हाईवोल्टेज भारत-पाकिस्तान के मुकाबले से एक दिन पहले भारतीय क्रिकेट टीम के लिए अच्छी खबर सामने आई है। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल डेंगू बुखार से उबर कर नेट पर अभ्यास कर रहे हैं। जिससे उनकी पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच में खेलने की संभावना बढ़ गई है। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी अस्वस्थ होने के कारण ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो मैचों में नहीं खेल सका था, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

असल में टीम प्रबंधन ने टीम के अहमदाबाद पहुंचने से पहले गिल के लिए विशेष अभ्यास सत्र का आयोजन किया। इसकारण उसने बाएं हाथ के थ्रोडाउन विशेषज्ञ नुवान सेनेविरत्ने को अहमदाबाद जाने के लिए कह दिया था। गिल सुबह 11 बजे नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे तथा टीम के डॉक्टर रिजवान की देखरेख में उन्होंने कुछ कसरतें करने के बाद नेट पर अभ्यास किया। पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की 'इनडिपर को ध्यान में रखकर उन्होंने श्रीलंका के विशेषज्ञ सेनेविरत्ने के 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से किए गए थ्रोडाउन पर अभ्यास किया। साथ ही उन्होंने कुछ नेट गेंदबाजों का भी सामना किया। इस दौरान वह सहज नजर आ रहे थे। गिल को टीम में शामिल करने का फैसला करने से पहले मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और चिकित्सा टीम शुक्रवार को होने वाले अभ्यास सत्र में उनकी प्रगति पर गौर करने वाले हैं।

उधर, रोहित शर्मा का संतुलन, विराट कोहली का जज्बा और जसप्रीत बुमराह की कलात्मकता भारत को आज विश्व कप मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार बनाते हैं। इस मुकाबले का हालांकि सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ भी है और इसका असर 22 गज की पिच के इतर भी होगा। कागज पर भारत कहीं बेहतर टीम है और बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार मौजूद हैं। वहीं पाकिस्तान के नजरिए से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का पहला स्पैल काफी महत्वपूर्ण होगा। यह एक ऐसा मैच है जहां भावनात्मक पहलू भी भूमिका निभाते हैं और इसने पिछले कुछ वर्षों में समान संख्या में नायक और खलनायक पैदा किए हैं।

जावेद मियांदाद और चेतन शर्मा, सलीम मलिक और मनिंदर सिंह, अजय जडेजा और वकार यूनिस, ऋषिकेश कानिटकर और सकलेन मुश्ताक, सचिन तेंदुलकर और शोएब अख्तर, विराट कोहली और वहाब रियाज, जोगिंदर शर्मा और मिसबाह उल हक (टी20 विश्व कप में) से पूछें। यह प्रतियोगिता पीड़ा और परम आनंद, खुशी और दिल तोड़ने वाले उदाहरणों से भरी हुई है, जो कभी खत्म नहीं होते। डेंगू के बाद गिल अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं और अगर वह शाहीन के साथ वहीं करने के लिए तैयार हैं जो उन्होंने कोलंबो में एशिया कप में पावरप्ले में आधा दर्जन चौकों के साथ किया था, तब पाकिस्तानी टीम का हौसला तोड़ने का आधा काम हो जाएगा।

खराब मौसम का पूर्वानुमान है लेकिन कोई नहीं चाहता कि क्रिकेट के मुकाबले में बाधा पड़े। मोहम्मद रिजवान ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और अब्दुल्ला शफीक ने अपना स्तर दिखाया। सऊद शकील किसी भी दिन मैच का रुख बदल सकते हैं लेकिन पाकिस्तान की बल्लेबाजी उसके कप्तान बाबर आजम पर निर्भर है। कुलदीप यादव के साथ बाबर की भिड़ंत रोमांचक होगी। अभी भी इसतरह के लोग बड़ी संख्या में हैं जो सोचते हैं कि 'विश्व कप जीते या नहीं, बस पाकिस्तान को हरा दें।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन इशान किशन ,सूर्यकुमार यादव।

पाकिस्तान- बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमां, इमाम-उल-हक, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, हारिस राउफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद वसीम।

शुभमन को मिला सितंबर माह के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को सितंबर महीने के लिए पुरुष वर्ग से आईसीसी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, शुभमन ने सितंबर के दौरान 80 की औसत से 480 रन एकदिवसीय में बनाये थे। इस प्रकार उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल मोहम्मद सिराज और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज डेविड मलान को भी पीछे छोड़ दिया। शुभमन ने इस साल एकदिवसीय में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उन्हें आईसीसी पुरुष एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भी बढ़त मिली है।

इस बल्लेबाज ने एशिया कप में भी 75.5 की औसत से सबसे ज्यादा 302 रन बनाए। । एशिया कप के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोहाली में 74 रन और इंदौर में 104 रन बनाए। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर शुभमन ने खुशी जतायी है।

पाक के खिलाफ बुमराह के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

अहमदाबाद (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह ने लंबे समय के बाद भी वापसी करते हुए अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। अब सभी की नजरें शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में बुमराह के प्रदर्शन पर रहेंगी। बुमराह ने अफगानिस्तान के खिलाफ हुए पिछे मुकाबले में 4 विकेट लिए थे पर वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं।

बुमराह ने कहा कि पाक की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी अच्छी है पर हम उनके बारे में सोचने की जगह पर अपने खेल पर ध्यान देंगे। इस तेज गेंदबाज ने कहा , हमने यह महसूस किया है हमें अपनी टीम और अपने मजबूत पक्ष को बेहतर बनाना चाहिए। इससे बाकी चीजें अपने आप ठीक हो जाएंगी। साथ ही कहा कि हम इस मुकाबले के लिए अपनी तैयारियों के साथ उन बातों पर ध्यान दे रहे है जो हमारे बस में हैं.

विश्वकप भारत-पाक मुकाबला: बाबर आजम की कप्तानी में इतिहास बदल सकेगी पाक टीम ?

अहमदाबाद (एजेंसी)। बाबर आजम की कप्तानी में उतरी पाकिस्तान टीम शनिवार को भारत के खिलाफ होने वाले विश्वकप मुकाबले में पहली जीत हासिल करना चाहेगी। आजम की टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि पाक आज तक विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं जीती है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में ये एकदिवसीय विश्वकप में 8वां मौका होगा, जब भारत और पाक की टीमें आमने-सामने होंगी। इससे पहले सातों बार भारतीय टीम ही जीती है।ऐसे में टीम इंडिया जीत के इस सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं बाबर पाक को जीत दिलाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे।

विश्व कप में अब तक दोनो ही टीमें शुरुआती दोनो मैच जीतकर उत्साह से भरी हैं। इसके बाद भी भारत के मुकाबले पाक की टीम कमजोर है। दो मैच जीतने के बावजूद भारत के खिलाफ मुकाबले में अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो पहले अपनी तीन कमजोरियों को दूर करना होगा। अगर पाक ऐसा करने में विफल रहता है तो फिर आजम को जीत नहीं मिल पायेगी। टीम की सबसे बड़ी कमजोरी अभी कप्तान का खराब फार्म है। इस विश्व कप से पहले उन्हें ही पाकिस्तान की बल्लेबाजी का आधार माना जा रहा था पर श्रीलंका और नीदरलैंड्स दोनों के खिलाफ मैच में वह विफल रहे। इसके अलावा बाबर की कप्तानी भी नहीं चल रही है। वो मैच के दौरान गेंदबाजों का सही बदलाव नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा फील्डिंग जमाने करने में भी बाबर विफ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ मैच में पाक की फील्डिंग बेहद खराब रही थी।

डुसेन एकदिवसीय में सबसे तेज 2000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

लखनऊ ।अफ्रीकी बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान एक अहम उपलब्धि हासिल की है। डुसेन 26 रन बनाते ही एकदिवसीय में सबसे तेज 2000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये। डुसेन ने इस में पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज जहीर अब्बास और इंग्लैंड केविन पीटरसन का रिकॉर्ड बराबर किया है। एकदिवसीय में सबसे तेज 2000 रन का रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम आमला के नाम है।आमला ने 40 पारियों में ये रन बनाये हैं।वहीं डुसेन ने 45 , इतनी ही पारियों में पाक के जहीर अब्बास और इंग्लैंड के पीटरसन ने भी ये रन बनाये।पाक के बाबर आमम ने 46 पारियां में ये रन बनाये।

भारत में जीतना बेहद कठिन पर हमारी टीम इसमें सक्षम : वोक्स

नई दिल्ली।इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने कहा है कि भारत में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है फिर भी हमारी टीम विश्व कप में उसके खिलाफ जीत दर्ज कर सकती है।वोक्स ने माना कि भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैच जीते है जबकि गत चैंपियन इंग्लैंड की टीम को पहले ही मैच में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था।वोक्स ने कहा, 'भारत में जीतना बेहद कठिन होता है।ऐसे में मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप की टीमें घरेलू हालातों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इंग्लैंड की 2019 की विश्व चैंपियन टीम के सदस्य रहे वोक्स का इसके बाद भी मानना है कि उनकी टीम में भारत को हराने की क्षमता है।भारत और इंग्लैंड की टीमों के बीच 29 अक्टूबर को लखनऊ में मुकाबला होगा। वोक्स ने कहा, 'हमारे लिए उन्हें सहजता से बाहर करना बेहद कठिन है पर हमारे पास इसके लिए सक्षम खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'लोगों ने कुछ समय से हमें देखा है और सफेद गेंद के प्रारूप की टीम के रूप में दुनिया भर में हमसे सभी को बेहतर खेल की उम्मीदें हैं।वारविकशर के इस खिलाड़ी ने कहा कि टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनीअपेक्षाओं पर नियंत्रण रखना होगा। वोक्स ने कहा, 'जीतने के लिए यह एक कठिन प्रतियोगिता है, क्या ऐसा नहीं है? खासकर यहां।लेकिन हम अच्छी चुनौती देंगे।हम एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं।स्वाभाविक रूप से लोगों को हमारे से उम्मीदें हैं और हमें निश्चित रूप से खुद से उम्मीदें हैं।इंग्लैंड की टीम रविवार को नई दिल्ली में अफगानिस्तान से खेलेगी।

अमेठी के भी युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जरूर जीतेंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठी की स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा अमेठी मे सांसद खेल प्रतियोगिता-2023 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि अमेठी के भी युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मेडल जरूर जीतेंगे। अमेठी सांसद खेल प्रतियोगिता के समापन सत्र को वीडियो संदेश के जरिए पीएम संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी ने कहा कि देश में खेलों के लिए ये महीना बड़ा शुभ है। हमारे खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में मेडल की सेंचुरी लगा दी है। इन आयोजनों के बीच अमेठी के खिलाड़ियों ने भी खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता में शामिल हुए सभी खिलाड़ियों को वे बधाई देते हैं। इस प्रतियोगिता से आपको जो नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला है, उसे आप भी महसूस करते होंगे, पूरे क्षेत्र के भी लोग महसूस करते होंगे।

पीएम ने कहा कि बीते 25 दिनों में आपको जो अनुभव मिला है, वो आपके स्पोर्टिंग करियर की बहुत बड़ी पूंजी है। वे आज हर उस व्यक्ति को भी बधाई देते हैं, जिसने शिक्षक की भूमिका में, निरीक्षक की भूमिका में, स्कूल एवं कॉलेज के प्रतिनिधि की भूमिका में, इस महा अभियान से जुड़कर इन युवा खिलाड़ियों को समर्थन एवं प्रोत्साहन दिया है। एक लाख से ज्यादा खिलाड़ियों का जुटना, वो भी इतने छोटे से एरिया में यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है और इसके लिए वह विशेष रूप से अमेठी की सांसद बहन स्मृति ईरानी को शुभकामना देते हैं, जिन्होंने इस आयोजन को इतना सफल बनाया।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों द्वारा चलाए जा रहे अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के सैकड़ों सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर समाज और देश के विकास का नया रास्ता तैयार किया है। इन प्रयासों का परिणाम देश को आने वाले वर्षों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। उन्हें विश्वास है कि अमेठी के भी युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेडल जरूर जीतेंगे और इसमें इस प्रतियोगिता से मिला अनुभव भी बहुत काम आएगा।

प्रधानमंत्री ने खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए आगे कहा कि जब कोई खिलाड़ी मैदान में उतरता है तो उसका सिर्फ एक ही लक्ष्य होता है वो कैसे खुद को, अपनी टीम को विजयी बनाए। आज पूरा देश खिलाड़ियों की तरह ही सोच रहा है। खिलाड़ी भी जब खेलते हैं तो राष्ट्र प्रथम की सोच रखते हैं। उस क्षण वो सब कुछ दांव पर लगाकर देश के लिए ही खेलते हैं, इस समय देश भी एक बड़ा लक्ष्य लेकर चल रहा है। भारत को विकसित बनाने में देश के हर जिले के हर नागरिक की भूमिका है। इसके लिए हर क्षेत्र को एक भाव, एक लक्ष्य और एक संकल्प से आगे बढ़ना पड़ेगा। इसी सोच से सरकार देश में युवाओं के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और खेलो इंडिया गेम्स जैसी योजनाएं चला रही हैं। आज सैकड़ों एथलीट्स को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत देश विदेश में ट्रेनिंग और कोचिंग दिलाई जा रही है। इन प्लेयर्स को करोड़ों रूपये की सहायता दी जा रही है। खेलो इंडिया गेम्स के तहत भी 3 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों को 50 हजार रूपए महीने की मदद दी जा रही है। इससे वो अपनी ट्रेनिंग, डाइट, कोचिंग, किट, जरूरी इक्विपमेंट्स और अन्य खर्च पूरा कर पा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि बदलते हुए आज के भारत में छोटे-छोटे शहरों के टेलेंट को खुलकर आगे आने का मौका मिल रहा है। अगर आज स्टार्ट अप्स में भारत का इतना नाम है, तो उसमें छोटे शहरों के स्टार्ट अप्स की बड़ी भूमिका है। बीते वर्षों में आपने देखा होगा कि स्पोर्ट्स की दुनिया में छा जाने वाले बहुत सारे नाम, छोटे शहरों से ही निकलकर आए हैं। ये इसलिए हुआ है क्योंकि आज भारत में पूरी पारदर्शिता से युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। एशियन गेम्स में भी मेडल जीतने वाले एथलीट्स बहुत बड़े बड़े शहरों से नहीं आए हैं। इनमें से बहुत से खिलाड़ी छोटे-छोटे शहरों से ही हैं। उनकी प्रतिभा का सम्मान करते हुए हमने उन्हें हर संभव सुविधाएं दी हैं। उसका परिणाम इन एथलीट्स ने दिया है। हमारे उत्तर प्रदेश की अन्नू रानी, पारुल चौधरी के प्रदर्शन ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। इसी धरती ने देश को सुधा सिंह जैसी एथलीट भी दी हैं। हमें ऐसे ही टैलेंट को बाहर निकालकर, उसे निखारकर आगे बढ़ाना है। और ये 'सांसद खेल प्रतियोगिता' इसका भी बहुत बड़ा माध्यम है।

इस बार नये अंदाज में खेली जाएगी बिग बैश लीग

ब्रिस्बेन।ऑस्ट्रेलिया में घरेलू क्रिकेट लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) इस साल के अंत में खेला जाएगा।इसमें पहली बार प्लेऑफ़-शैली रखी गयी है।अब पिछले साल की फाइनलिस्ट ब्रिस्बेन हीट घोषित कार्यक्रम के अनुसार लीग के 13वें सत्र के शुरुआती मैच में 7 दिसंबर को यहां गाबा में मेलबर्न स्टार्स से खेलेगे।लीग एक सप्ताह पहले शुरू होगी और नियमित सीज़न सिडनी शोग्राउंड स्टेडियम में समाप्त होगा जब सिडनी थंडर मेलबर्न रेनेगेड्स की मेजबानी करेगा।इसमें आईपीएल के समान नए रूप वाली चार मैचों की फ़ाइनल सीरीज़ दो दिन बाद शुरू होगी, जिसका फ़ाइनल 24 जनवरी को होगा।फ़ाइनल सीरीज़ में शीर्ष दो टीमें क्वालीफ़ायर के माध्यम से फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें नॉकआउट में भाग लेंगी।नॉकआउट का विजेता क्वालीफायर के हारने वाले के साथ चैलेंजर में खेलेगा, जिसका विजेता फ़ाइनल में पहुंचेगा। कार्यक्रम में दो बॉक्सिंग डे मुकाबले शामिल हैं, जिसमें सिडनी सिक्सर्स मेलबर्न स्टार्स की मेजबानी करेगा और पर्थ स्कॉर्चर्स मेलबर्न रेनेगेड्स का मुकाबला करेगा।इसमें नए साल के दिन का डबल-हेडर भी शामिल है जिसमें होबार्ट हरिकेंस सिडनी थंडर (ब्लंडस्टोन) की मेजबानी कर रहा है और ब्रिस्बेन हीट गाबा में दूसरे वार्षिक नए साल के बैश के लिए सिडनी सिक्सर्स का स्वागत कर रहा है।

T20 BIG BASH LEAGUE

लगातार हार से टीम में हर कोई दुखी है, लेकिन हम जल्द वापसी करेंगे : कमिंस

लखनऊ।विश्व कप-2023 में दक्षिण अफ्रीका से 134 रन की करारी हार झेलने के बाद, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने स्वीकार किया कि टीम में हर कोई दुखी है।हालांकि, उन्होंने फिर से एक चैंपियन टीम की तरह वापसी करने की कसम खाई है।पांच बार वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का भारत में खेले जा रहे वर्ल्ड कप में बुरा हाल है, लेकिन यह ऑस्ट्रेलियाई टीम दमदार कमबैक के लिए जानी जाती है।द.अफ्रीका से मिली हार के बाद टीम के कप्तान कमिंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर हम चुनौतीपूर्ण होना चाहते हैं, तो आपको सभी परिस्थितियों में प्रयास करना होगा और रास्ता ढूंढना होगा।यह गेंदबाजों के लिए प्रयास करना और विकेट लेना है और बल्लेबाजों के लिए प्रयास करना और रन बनाना है। 'इस परफॉर्मेंस से टीम में हर किसी को दुख हो रहा है।हमारे पास कुछ दिन हैं और अगला मैच भी यहीं है।तो हम सुधार करने की कोशिश करेंगे।' ऑस्ट्रेलिया ने अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत चेन्नई में भारत से छह विकेट की हार के साथ की और दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार का मतलब है कि उनका एनआरआर -1.85 है और दस टीमों की अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।दोनों मौकों पर बल्लेबाजी में विफल रहने के अलावा, ऑस्ट्रेलिया ने कई कैच भी छोड़े जो टीम की हार कीवजह बनी।टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के लिए अगला मुकाबला 16 अक्टूबर को लखनऊ में श्रीलंका के खिलाफ है और हर हाल में ऑस्ट्रेलियाई टीम इसे जीतना चाहेगी।

नीरज 'मेंस वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर 2023 अवार्ड' की रेस में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 'मेंस वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर 2023 अवार्ड' की दौड़ में शामिल हैं। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन ने इस पुरस्कार के लिए जिन 11 एथलीटों के नाम जारी किये हैं। उसमें नीरज का नाम भी शामिल है। इसमें नीरज के अलावा शानदार प्रदर्शन करने वाले रयान क्राउसर (अमेरिका),मोंडो डुप्लांटिस (स्वीडन), सूफ़ियान एल बक्काली (मोरक्को), जैकब इंगेब्रिग्त्सेन (नॉर्वे), केल्विन किप्टम (केन्या), पियर्स लेपेज (कनाडा), नोह लाइल्स (अमेरिका)और अल्वारो मार्टिन (स्पेन) के अलावा मिल्टियाडिस टेंटोगलोउ (यूनान) और कार्स्टन वारहोल्म (नॉर्वे) को भी शामिल किया गया है।

चोपड़ा ने इस साल की शुरुआत में ही बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उसके बाद उन्होंने एशियाई खेलों में अपने खिताब को भी बनाये रखा। वहीं इससे पहले वह डायमंड लीग 2023 में दूसरे स्थान पर रहे थे। नीरज साल वर्ष 2023 के पुरुष विश्व एथलीट पुरस्कार के लिए चुने गए 11 एथलीटों में से एक हैं।

वहीं इस पुरस्कार के लिए शामिल अमेरिका के स्प्रिंटर नोह लायल्स 100 मीटर और 200 मीटर में विश्व चैंपियन हैं। उन्होंने बुडापेस्ट 2023 में पुरुषों की 4 गुणा100 मीटर रिले में अमेरिका के लिए स्वर्ण पदक जीता था। मोरक्को के सूफियान एल बक्काली, जो 3000 मीटर स्टीपलचेज में एक दिग्गज खिलाड़ी हैं। वह छह फाइनल में अपराजित रहे हैं। ओलंपिक चैंपियन ने इस साल की शुरुआत में उन्होंने विश्व खिताब को डिफेंड भी किया था। पुरुषों के पोल वॉल्ट में मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस भी 11 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। इसके साथ ही साथ 20 किमी और 35 किमी स्पर्धाओं में विश्व चैंपियन स्पेनिश रेस वॉकर अल्वारो मार्टिन भी इस सूची में है।

उल्लेखनीय है कि मेंस वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर 2023 अवार्ड के लिए चुने गए एथलीटों का चयन एथलेटिक्स विशेषज्ञों के एक अंतरराष्ट्रीय पैनल द्वारा किया जाता है इसमें विश्व एथलेटिक्स के सभी छह महाद्वीपीय क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होते है। तीन-तरफा वोटिंग प्रक्रिया के द्वारा 13 या 14 नवंबर को विश्व एथलेटिक्स अंतिम पांच फाइनलिस्ट एथलीटों का ऐलान करेगा।

बांस
आमदनी का अच्छा जरिया

जहाँ तक अंतराल का प्रश्न है। बांस का रोपण 4ङ्ग4 मी. के अंतराल पर करना लाभदायक पाया जाता है। रोपण हेतु गड्डे रोपण करने के लगभग 1 माह पहले खोदकर छोड़ दिये जाना चाहिये। ताकि उनका रोपण के पूर्व प्राकृतिक उपचार हो सके।

पौधों का रोपण

बांस का रोपण वर्षा ऋतु के प्रारंभ के समय किया जाना चाहिये। रोपण हेतु 6 से 9 माह आयु में पौधों का उपयोग करना लाभदायक पाया गया है। बांस में पौधों का रोपण 30ङ्ग30ङ्ग30 से.मी. आकार के गड्डों में किया जाना चाहिये। रोपण के पूर्व गड्डे मिट्टी एवं 10 किलोग्राम कम्पोस्ट खाद के मिश्रण से भर दिये जाते हैं। तत्पश्चात पॉलीथीन थैलियों में तैयार किये गये पौधे थैलियों को फाड़कर मिट्टी सहित गड्डों में रोपित कर दिये जाते हैं। जहाँ तक अंतराल का प्रश्न है। बांस का रोपण 4ङ्ग4 मी. के अंतराल पर करना लाभदायक पाया जाता है। रोपण हेतु गड्डे रोपण करने के लगभग 1 माह पहले खोदकर छोड़ दिये जाना चाहिये। ताकि उनका रोपण के पूर्व प्राकृतिक उपचार हो सके।

रोपण हेतु उपर्युक्त स्थल

बांस प्राकृतिक रूप से ढालू जमीन पर अच्छा बढ़ता है। अतः इसके रोपण का चयन किया गया स्थल ढालू होना चाहिये।

रासायनिक खाद का प्रयोग

बांस की अच्छी वृद्धि हेतु उपयुक्त खादों के प्रकार तथा मात्राओं पर अनुसंधान कार्य हेतु हैं। इनमें से एक का परिणाम यह है कि बांस भिर्रे में 50 ग्राम यूरिया तथा 20 ग्राम सुपर फास्फेट की खुराक देना लाभदायक होता है। एक निष्कर्ष यह भी है कि यूरिया खाद (20 ग्राम प्रति पौधा) का उपयोग प्रथम तथा पांचवे वर्ष में किया जाना सर्वाधिक लाभप्रद होता है। खाद की खुराक देने के तुरंत पश्चात पौधों की सिंचाई की जाना आवश्यक है।

बांस रोपण की आर्थिकी

बांस की उपयोगिता अधिक होने के कारण प्राइवेट व्यक्ति कृषक इसका रोपण करके व इसका व्यापार करके अच्छा लाभ कमा सकते हैं। देशी बांस डेन्ड्रोकेलामस स्ट्रिक्टस

उत्पादन एवं आय

बॉस के भिर्रो से तीन प्रकार के बांस प्राप्त होते हैं - सूखे बांस, टेढ़े-मेढ़े बांस एवं अच्छे बांसों के पतले टुकड़े-ये सब एक श्रेणी में रखे जाते हैं तथा इन्हें औद्योगिक बांस कहा जाता है। इसका उपयोग कागज बनाने के कारखानों में किया जाता है। अच्छे बांस व्यापारिक

बांसों के नामों से जाने जाते हैं। इनका उपयोग निर्माण कार्य हेतु किया जाता है। सूखे बांसों को तोल करने पर एक टन वजन में लगभग 250 बांस आते हैं। इनको बाजार में 1000-1200 रुपये प्रति टन के भाव से वर्तमान समय से बेचा जाता है। व्यापारिक बांस औसतन 15/-प्रति बांस की दर से फुटकर बाजार में बिकता है। वैसे बहुत अच्छे बांस 50/- प्रति बांस तक बिकते हैं। बांस की कीमत अच्छी लम्बाई-मोटाई तथा पकने की स्थिति पर निर्भर करती है। बांस के रोपण में सामान्यतः 6-7 वर्ष की आयु में उपयोगी बांस प्राप्त होने लगते हैं। 6वें वर्ष से प्रति हेक्टेयर क्षेत्र में औसतन 3000 बाँस प्रति वर्ष प्राप्त होंगे। इनमें से 20 प्रतिशत बांस औद्योगिक श्रेणी के हो सकते हैं। जिनका वजन लगभग 3 टन होगा। शेष 2400 बांस 2400315 = 36000/- में बिकेंगे। औद्योगिक बांसों की बिक्री से होने वाली आय को मिलाकर कुल आय 39000/-रुपये प्रति वर्ष होगी। कटाई का व्यय (औसतन 0.50/- प्रति की दर से) लगभग 1500/- रु. होगा। अन्य खर्च को मिलाकर कुल व्यय लगभग रुपये 2000/- प्रतिवर्ष होगा। फिर भी शुद्ध आय 37000/-प्रतिवर्ष हो सकेगी। यदि जमीन अच्छी नहीं है तो भी 20000/-रु. से 30000/- रुपये बांस फूलेगा तब सभी भिर्रे सूख जावेंगे। औश्र इस समय लगभग 40 टन सूखे बांस प्राप्त होगा। जिसकी कीमत आज की दर के आधार पर 48000/- रुपये होगी इस प्रकार हम पाते हैं कि रोपण की स्थापना पर किया गया व्यय पहले उत्पादन (छटवें वर्ष में) ही वापस हो जाता है। आगे के वर्षों के नाममात्र व्यय के बाद काफी बढ़ा लाभ होगा।

जरा सी सावधानी

सुरक्षित अनाज

वर्तमान समय में रबी की फसलों की कटाई एवं गहाई चल रही है इसके बाद भंडारण करना है इसलिये कटाई करते समय ध्यान रखें फसलें अच्छी तरह पकी हों अन्यथा कच्चे रहने पर दाने छोटे व सिकुड़ जाते हैं और यदि अधिक दिनों तक फसल पकी हुई खड़ी रहने पर कटाई के समय दाने व फलियां जमीन पर झड़ जाते हैं जिससे उपज घट जाती है. इसलिये सभी फसलों की पकने की उचित अवस्था में कटाई करें कटाई के लिये कई पहलू हैं जिसमें पत्तियां फलियां पीली पड़ना, पत्तियां गिरना, दाने में नमी की मात्रा जो पकने में देखे जाते हैं साथ ही कटाई उचित यंत्र से कटाई करें जिसमें रकबा व उपलब्ध मजदूर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है जिसमें ट्रैक्टर व मशीन चलित कम्बाईन, हारवेस्टर व मोवर, बैल चलित यंत्र रीपर से करना चाहिए इस समय नमी 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए तथा मानव चलित उपकरण हसिया, गंडासा उपयोग होता है.
कटाई के बाद फसल को सुखाना हो तो उसे बंडलों में बांधकर खेत में 3-4 दिन सुखा लें. इसके बाद पूर्ण रूप से सूखने पर लगभग नमी फसलों में 15% के आसपास हो तब दांव चलाकर, डंडे से पीटकर या थ्रेसर द्वारा दाना-भूसा अलग कर लें. साथ ही देख लें अधिक नमी या यंत्र की खराबी से दाना टूट तो नहीं रहा.
तेल वाली फसलों को अधिक समय तक खलिहान में गहाई के लिये फसल को भंडारित कर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे तेल प्रतिशत घट जाता है साथ की कीड़ों द्वारा भी हानि पहुंचाई जाती है. अनाज को भंडारण से पहले सुखाना बहुत जरूरी है. जिससे उसमें नमी अधिक न रहे अन्यथा कीड़े व फफूंद द्वारा उत्पादन की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालते है. जिसमें सभी फसलों के लिये नमी प्रतिशत अलग-अलग होता है जैसे-अनाज वाली फसलों 12% तिलहनी फसलों में 8%, दलहनी फसलों में 9% नमी भंडारण हेतु उपयुक्त मानी जाती है. इसके लिये बीजों को दांतों से तोड़कर कट की आवाज आने पर सही नमी का अंदाजा लगाया जा सकता है.

उपरोक्त के अलावा फसलों की कटाई, गहाई व उसके रखरखाव हेतु निम्नलिखित सावधानियां रखना चाहिए-

- फसल की कटाई साफ व धूप वाले मौसम में करना चाहिए.
- गहाई मशीन के नट अच्छी तरह कसे होना चाहिए इसके लिये कार्य करते समय अवांछनीय आवाज आये तो मशीन रोककर ठीक कर लेना चाहिए.
- थ्रेसिंग मशीन पर कार्य करने वाले ढीले-ढाले कपड़े नहीं पहनना चाहिए उलझ सकते हैं.
- खलिहान में आदमी बीड़ी- सिगरेट न पियें आग लग सकती है.
- खलिहान साफ-स्वच्छ, ऊंचे स्थान जहां वर्षा होने पर पानी भरे नहीं तथा आसानी से निकल जाये ऐसे स्थान का चयन करना चाहिए.
- फसल के बंडल थ्रेसर के पास रखें जिससे मजदूरों को थ्रेसिंग करते समय अधिक क्षमता से गहाई कर सकें.

दुधारू पशुओं की देख-रेख

दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए. संक्रामक रोगों का टीकाकरण समय रहते अवश्य कराना चाहिए. बाह्य एवं आंतरिक परजीवियों को दूर करने के लिए विशेष ध्यान रखना चाहिए. दुधारू पशुओं में थन एवं अयन की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए.

- पशु के पोषण में लगभग 70ज खर्च होता है. दुग्ध उत्पादन तभी लाभदायी हो सकता है, जब पशुओं को संतुलित आहार मिले तथा उसकी लागत कम आये. हरा चारा दुधारू पशुओं के लिये अमृत के समान है. 6 से 8 लीटर दूध देने वाले पशुओं की आवश्यकता की पूर्ति मात्र पेट भर हरा चारा उपलब्ध कराने से भी की जा सकती है. 1.5 किलो जीविका आहार के साथ पशु की दूध उत्पादन क्षमता के अनुसार बांटा दिया जाना चाहिए. भैंसों में 2 लीटर दूध उत्पादन पर 1 किलो बाटा तथा गायों में 2.5-3.0 लीटर दूध पर 1 किलो बाटा दिया जाना चाहिए.
- पशुओं की अच्छी आवास व्यवस्था भी दूध उत्पादन अच्छा रखने में सहायक होती है. गौशाला इस प्रकार की बनाई जानी चाहिए जिससे सूर्य की किरणें उत्तर की ओर अधिक पड़ें और दक्षिण की ओर कम से कम, जिससे गर्मियों एवं सर्दियों में पशुओं की रक्षा की जा सके. गाय एवं भैंसों के लिये 30-35 वर्ग फीट प्रति पशु जगह की आवश्यकता होती है. बाहरी बाड़ा के लिये 20-100 वर्ग फुट स्थान होना चाहिए. पूंछ से पूँछ विधि गौ पशुओं के लिये सबसे अधिक उपयोगी पाई गई है.

इस विधि की विशेषताएं हैं कि गौ शाला की साफ-सफाई अच्छी की जा सकती है. जिससे पशुओं को बीमारी से बचाया जा सकता है. संक्रामक बीमारियाँ आसानी से नहीं फैल पाती हैं. थन एवं अयन की बीमारियों का तुरंत पता लगाया जा सकता है. पशुओं और नालियों की साफ-सफाई अच्छी तरह से की जा सकती है.

- दुधारू पशुओं से अधिक दूध उत्पादन के लिए स्वच्छ पानी की उपलब्धता अत्यंत आवश्यकता है. पशु बिना भोजन के तो रह सकता है. परंतु बिना पानी के नहीं. क्योंकि पानी शारीरिक क्रियाओं के संचालन एवं दूध उत्पादन के लिए आवश्यक है. प्रत्येक दुधारू पशु को लगभग 100 लीटर पानी की प्रतिदिन आवश्यकता होती है.
- दुधारू पशुओं को प्रेम पूर्वक रखना, उनसे अच्छा व्यवहार करना, बाह्य परजीवी जूं किलनी इत्यादि को अलग रखना. क्योंकि बाह्य परजीवी पशु का खून चूसते हैं और दूध उत्पादन क्षमता पर प्रभाव डालते हैं.

अत: जब भी मौसम में बदलाव आता है, उस समय बाह्य परजीवी जैसे जूँ और किलनी मारक दवाइयों का प्रयोग करना चाहिए.

- जहाँ तक सम्भव हो दुधारू पशुओं को शोर से दूर रखा जाना चाहिए. शोर का प्रभाव उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता पर पड़ता है.
- अच्छे दूध उत्पादन करने वाले पशुओं की पहचान की जानी चाहिए. जो पशु कम दूध उत्पादन अर्थात 2-3 लीटर दूध देते हैं. उनकी छटनी कर देनी चाहिए. प्रतिवर्ष 15-20 प्रतिशत गौ शाला के पशुओं की छटनी की जानी चाहिए जिससे लगातार अधिक दूध उत्पादन प्राप्त हो सके.
- गौ शाला में एक निश्चित दिनचर्या का पालन किया जाना चाहिए. इसमें बदलाव करने से दूध उत्पादन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है. यदि कोई बदलाव करना है तो पशुओं की शुष्क अवस्था में किया जाना चाहिए.
- पशुओं का दूध दुहते समय अच्छा प्रबंध करना चाहिए. यह एक विशेष कार्य है. दोहने वाले व्यक्ति की क्षमता दूध उत्पादन पर बहुत प्रभाव डालती है. दूध निकालने की प्रक्रिया 5-7 मिनिट में पूर्ण हो जानी चाहिए.वरना पशु दूध को रोक सकता है. इसलिए दूध दोहने में जो व्यक्ति पारंगत है उनसे ही दूध निकलवाना चाहिए. इससे पशु की वास्तविक दूध उत्पादन क्षमता का पता लगाया जा सकता है.
- गर्मियों में अधिक दूध देने वाले पशुओं का विशेष प्रबंध किया जाना चाहिए. गाय एवं भैंसों को नहलाना, गौ शाला में ठंडा वातावरण रखना, सुबह और शाम को भोजन देना चाहिए. साइलेज का इस्तेमाल, भूसे का यूरिया उपचार किया जाना चाहिए जिससे उत्पादन को गिरने से बचाया जा सके.
- अच्छे दूध उत्पादन के लिये अच्छी प्रजनन क्षमता को बनाये रखना बहुत ही जरूरी है.

पशु की उत्पादन क्षमता छटवीं ब्यात तक होती है. आदर्श प्रजनन क्षमता एक बछड़ा/बछिया प्रतिवर्ष है. यदि प्रजनन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया तो किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है.
दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए. संक्रामक रोगों का टीकाकरण समय रहते अवश्य कराना चाहिए. बाह्य एवं आंतरिक परजीवियों को दूर करने के लिए विशेष ध्यान रखना चाहिए. दुधारू पशुओं में थन एवं अयन की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए.
वरना थनैला रोग होने की संभावना हमेशा बनी रहती है. थनैला रोग की जाँच स्ट्रिप कम विधि से समय-समय पर की जाना चाहिए. ग्रामीण परिवेश में साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जाता है, जिससे थनैला रोग होकर एक या दो थन खराब हो जाते हैं और किसानों को काफी आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है.

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, देश अपने यहूदी नागरिकों की रक्षा करेगा

-फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों पर रोक

पेरिस ।हमास द्वारा इजराइल पर हमला करने के बाद से यहूदी विरोधी घटनाओं के बढ़ने के मद्देनजर फ्रांस के गृह मंत्री ने सभी फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांसीसी लोगों से आग्रह किया है कि वे पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का असर अपने देश पर नहीं पड़ने दें। मैक्रों की ओर से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बारे में राष्ट्र को संबोधित करने से ठीक पहले पेरिस की पुलिस ने फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और उन पर पानी की बौछारें डाली।इन लोगों ने प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए इजराइल की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। मैक्रों ने कहा, हमें वैचारिक जोखिम यहां(फ्रांस) नहीं लाना चाहिए। हम अंतरराष्ट्रीय मतभेदों में राष्ट्रीय विभेद नहीं जोड़ें।हमें एकजुट रहना चाहिए...।माना जा रहा है कि हमास ने कई फ्रांसीसी-इजरायली नागरिकों को बंधक बना लिया है। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस अपने यहूदी नागरिकों की रक्षा करेगा।साथ ही उन्होंने फ्रांस में रहने वाले मुसलमान समुदाय के लोगों के प्रति बढ़ते शत्रुता के भाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की। गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने स्थानीय प्रशासन को यहूदी स्कूलों, प्रार्थनास्थलों और अन्य स्थानों के आसपास सुरक्षा को और मजबूत करने का निर्देश दिया। निर्देश में कहा गया है कि फलस्तीन के समर्थन में होने वाले प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए और जो लोग प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हैं उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

अफगानिस्तान में फिर आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 4.6 रही तीव्रता

काबुल। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने जानकारी दी कि शुक्रवार को अफगानिस्तान में रिक्टर स्केल पर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। इस सप्ताह गरीब देश में आया यह दूसरा भूकंप है। शुक्रवार सुबह 6:39 बजे (आईएसटी) देश में 50 किलोमीटर की गहराई पर भूकंप के झटके महसूस हुए। भूकंप की तीव्रता 4.6 आंकी गई।इससे पहले, 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान में रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने जानकारी दी थी। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने कहा कि 11 अक्टूबर को उत्तर-पश्चिमी अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की जान चली गई और निवासियों में दहशत फैल गई, जो पहले से ही सिलसिलेवार झटकों से त्रस्त थे और सप्ताहांत में लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, नवीनतम तीव्रता 6.3 का भूकंप हेरात प्रांत की राजधानी हेरात के बाहर लगभग 28 किलोमीटर (17 मील) और 10 किलोमीटर (6 मील) गहराई पर था।

अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए लेवल-2 का यात्रा परामर्श जारी किया

वाशिंगटन ।अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए लेवल-2 का यात्रा परामर्श जारी कर अपने नागरिकों से बांग्लादेश यात्रा को लेकर सावधानी बरतने का आग्रह किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपराध, आतंकवाद, अपहरण और हाल में हुई घटनाओं से संबंधित जानकारियों की आवधिक समीक्षा करने के बाद फिर से परामर्श जारी किया है, जिसमें अमेरिकी नागरिकों से बांग्लादेश में अधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अपराध, आतंकवाद और आम चुनाव के कारण कुछ इलाकों में खतरा बढ़ गया है। अमेरिका ने सांप्रदायिक हिंसा, अपराध, आतंकवाद, अपहरण और अन्य सुरक्षा खतरों की वजह से चटगांव पहाड़ी क्षेत्र की यात्रा करने वाले अपने नागरिकों से अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, यात्रियों को भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाते वक्त जेबकतरने जैसे तुच्छ अपराधों के प्रति सावधान रहना चाहिए। बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में डकैती, चोरी, हमले और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मामले अधिक होते हैं हालांकि इसतरह के कोई संकेत नहीं हैं कि विदेशियों को उनकी राष्ट्रीयता के कारण निशाना बनाया जा रहा है। ये अपराध हालात, समय और स्थान पर निर्भर करते हैं। मंत्रालय के मुताबिक, आतंकवादी हमले हो सकते हैं, जिसकी भनक न के बराबर होती है। इतना ही नहीं आतंकवादी पर्यटक स्थानों, परिवहन केंद्रों, बाजार/शॉपिंग मॉल, रेस्तरां, पूजा स्थलों, स्कूल परिसरों और सार्वजनकि स्थलों को निशाना बनाते हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श के मुताबिक, जनवरी 2024 से पहले आम चुनाव होने की संभावना है और राजनीतिक दलों ने रैलियां व अन्य चुनावी गतिविधियां पहले ही शुरू कर दी हैं।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को दी सलाह: बांग्लादेश में जेबकतरों से रहें सावधान

वाशिंगटन ।बांग्लादेश में इन दिनों सांप्रदायिक हिंसा, अपराध, आतंकवाद, अपहरण और जेबकतरी लगातार बढ़ रही है। इन घटनाओं से चिंतित अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उसमें गया है कि बांग्लादेश की यात्रा करने वाले नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि भीड़ भाड़ वाले इलाकों में जेबकतरी ज्यादा होती है,ऐसे में सावधान रहने की बहुत ज्यादा जरुरत है। बता दें इससे पहले इसी तरह की एडवाइजरी कनाडा भी जारी कर चुका है। अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए लेवल-2 का यात्रा परामर्श जारी किया और अपने नागरिकों से उस एशियाई राष्ट्र की यात्रा को लेकर सावधानी बरतने का आग्रह किया। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने अपराध, आतंकवाद, अपहरण और हाल में हुई घटनाओं से संबंधित जानकारियों की आवधिक समीक्षा करने के बाद फिर से परामर्श जारी किया है, जिसमें उसने अपने नागरिकों से बांग्लादेश में अधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अपराध, आतंकवाद और आगामी आम चुनाव के कारण कुछ इलाकों में खतरा बढ़ गया है। बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में डकैती, चोरी,जेबकतरी, हमले और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मामले अधिक होते हैं हालांकि ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि विदेशियों को उनकी राष्ट्रीयता के कारण निशाना बनाया जा रहा है। ये अपराध हालात, समय और स्थान पर निर्भर करते हैं।

आतंकी हमलें की संभावना

मंत्रालय के मुताबिक, आतंकवादी हमले हो सकते हैं, जिसकी भनक न के बराबर होती है। इतना ही नहीं आतंकवादी पर्यटक स्थानों, परिवहन केंद्रों, बाजार/शॉपिंग मॉल, रेस्तरां, पूजा स्थलों, स्कूल परिसरों और सार्वजनकि स्थलों को निशाना बनाते हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श के मुताबिक, जनवरी 2024 से पहले आम चुनाव होने की संभावना है और राजनीतिक दलों ने रैलियां व अन्य चुनावी गतिविधियां पहले ही शुरू कर दी हैं। जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आएंगे वैसे-वैसे चुनावी रैलियों की गति बढ़ जाएगा और प्रदर्शन भी हो सकते हैं। परामर्श के मुताबिक, बांग्लादेश की यात्रा करने वाले यात्रियों को सतर्कता बरतनी चाहिए। शांतिपूर्ण दिखने वाले प्रदर्शन कभी भी संघर्ष में तब्दील हो सकता है।

नकदी संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने किया चीन के साथ बड़ा ऋण समझौता

कोलंबो ।इन दिनों नकदी संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने चीन के साथ एक बड़ा ऋण समझौता किया है। यह जानकारी श्रीलंका की सरकार ने चीन के साथ अपने ऋणों के पुनर्गठन पर एक प्रारंभिक समझौता करने की पुष्टि करते हुए दी है।इसे नकदी संकट से जूझ रहे देश के आर्थिक सुधार में एक 'बड़े कदम' के तौर पर देखा जा रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ श्रीलंका की सरकार को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वह चीन के निर्यात-आयात बैंक के साथ ऋण पुनर्गठन के प्रमुख सिद्धांतों और सांकेतिक शर्तों पर एक समझौते पर पहुंच गई है। श्रीलंका पर 46 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी ऋण है, जिसमें से करीब 52 प्रतिशत उसे चीन से मिला है। बयान में कहा गया है कि सैद्धांतिक रूप से समझौते में करीब 4.2 अरब अमेरिकी डॉलर का बकाया ऋण शामिल है। उन्होंने बताया कि यह श्रीलंका की दीर्घकालिक ऋण स्थिरता को बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और त्वरित आर्थिक सुधार का मार्ग प्रशस्त करेगा। पुनर्गठन की जिन शर्तों पर सहमति बनी है, उससे श्रीलंका को अपने सुधार एजेंडे को लागू करने का मौका मिलेगा।

इजराइल की दो टूक, 24 घंटे के अंदर उत्तरी गाजा को खाली कर दिया जाए

-ईरान ने दी चेतावनी, युद्ध अन्य मोर्चों पर खुल सकता

तेलअवीव (एजेंसी)। इजराइल ने गाजा पट्टी पर लगातार बमबारी से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी। इस बीच, ईरान ने तनाव बढ़ने के खतरे की चेतावनी देकर कहा कि अगर इजरायल का आक्रमण जारी रहा, तब युद्ध अन्य मोर्चों पर शुरू हो सकता है। हमास के साथ संघर्ष छठे दिन में प्रवेश कर गया है और इजरायली सेना ने संभावित जमीनी आक्रमण की तैयारी कर गाजा पट्टी पर हमला जारी रखा है। हमास के आतंकियों ने 150 लोगों को बंधक बना लिया है। उधर इजराइल ने कहा है कि जब तक उन्हें रिहा नहीं किया जाएगा तब तक वह अपनी घेराबंदी नहीं हटाएगा। इजराइल की सेना ने उत्तरी गाजा को 24 घंटे के भीतर खाली करने का आदेश दिया, यह क्षेत्र 1.1 मिलियन लोगों का घर है, जो क्षेत्र की लगभग आधी आबादी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने विनाशकारी मानवीय परिणामों के बिना आदेश को असंभव कहा।

गाजा पट्टी में अपने हमले के लिए समर्थन जुटाने के प्रयास में, इजराइल ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और नाटो रक्षा मंत्रियों को मृत बच्चों और नागरिकों की ग्राफिक छवियां दिखाईं, और कहा कि वे हमास द्वारा मारे गए थे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली समुदायों पर घातक हमले के बाद हमास को नष्ट करने की कसम खाई है। हालांकि, गाजा मानवीय तबाही के कगार पर है, क्योंकि मरने वालों की संख्या 1,500 से अधिक हो गई है और महत्वपूर्ण आपूर्ति कम हो गई है।

इज़रायली हवाई हमले ने गाजा शहर के शाती शरणार्थी शिविर में एक शरणार्थी शिविर को बर्बाद कर दिया है। यह हमला हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए बहु-मोर्चे के हमले के बाद तीव्र बमबारी का हिस्सा था, जिसमें 1,300 से अधिक इजरायली मारे गए थे। हवाई हमलों के परिणामस्वरूप 1,500 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल ने अपनी बमबारी बंद नहीं की, तब युद्ध अन्य मोर्चों पर खुल सकता है। जबकि ईरान हमास के हमलों में शामिल होने से इनकार करता है। रिपोर्ट के अनुसार, 12 अक्टूबर, 2023 तक, इजरायली तोपखाने हमास शासित गाजा पट्टी पर हर 30 सेकंड में गोलीबारी कर रहे हैं। इजरायली सेना ने कहा कि शनिवार से जब उसने हमास के ठिकानों पर हमला करना शुरू किया, तब से उसने गाजा पर लगभग 6,000 हथियारों से बमबारी की है, जिसमें कुल 4,000 टन विस्फोटक थे।

इज़राइल ने सूचित किया कि उसने हमास द्वारा शासित क्षेत्र पर जमीनी आक्रमण की अटकलों के बीच उत्तरी गाजा के 1.1 मिलियन निवासियों को 24 घंटे के भीतर दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने तेल अवीव से विनाशकारी परिणामों से बचने के लिए अपना निकासी आदेश वापस लेने का आग्रह किया है।

संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने गाजा के निवासियों को इजराइल की प्रारंभिक चेतावनी पर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया को अपमानजनक बताया, कहा कि उसे हमास की निंदा करने और इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

हमास के अचानक हमले के जवाब में, इजराइल ने 360,000 जलाशयों को इकट्ठा किया है, गाजा के पास बड़ी ताकतें जुटाई हैं,

और आस-पास के समुदायों से हजारों निवासियों को निकाला है। लड़ाई को निर्देशित करने के लिए एक नए युद्ध मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई गई, जिसमें एक लंबे समय से विपक्षी राजनेता भी शामिल थे।

हमास के हमले के बाद समर्थन जुटाने के प्रयास में, इज़राइल ने संघर्ष में मारे गए बच्चों की तस्वीरें जारी की हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, ने कहा कि उन्हें गोलियों से छलनी एक बच्चे की तस्वीरें और वीडियो दिखाए गए, सैनिकों के सिर काटे गए और युवा लोगों को उनकी कारों या ठिकानों में जिंदा जला दिया गया।

ब्लिंकन ने कहा, यह सबसे खराब कल्पनीय तरीके से भ्रष्टता है। चूँकि युद्ध जारी है, अंतर्राष्ट्रीय निकाय और नेता तत्काल युद्धविराम और गोलीबारी में फंसे नागरिकों की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गुरुवार को गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में सबसे जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए 294 मिलियन डॉलर की आपातकालीन अपील जारी की, जहां हाल के दिनों में 400,000 से अधिक फिलिस्तीनी अपने घर छोड़कर भाग गए हैं।

हमास-इजरायल-आक्रमण : इजरायल ने गाजा पर की ताबड़तोड़ बमबारी, अब कभी भी छिड़ सकती है जमीन पर लड़ाई

तेल अवीव/यरुशलम (एजेंसी)। फिलिस्तीन के कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास के इस महाने की सात तारीख को इजरायल पर किए गए दिल दहला देने वाले हमले से गाजा पट्टी में मरघट जैसा सन्नाटा है।

इजरायल की सेना ने कहा है कि तब से इस लड़ाई में उसके देश ने 189 सैनिकों सहित 1,200 से अधिक नागरिकों को खो दिया। इजरायल में घुसे करीब 1,500 हमास आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया है। गाजा में भी हमास के सैकड़ों आतंकी मारे गए हैं। गाजा के अधिकारियों के अनुसार, उनके 1,417 लोग मारे गए और 6,500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में इजरायल के सैन्य सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि गाजा में अब तक 3,500 से ज्यादा आतंकी ठिकानों पर बम बरसाए गए हैं। इस बमबारी में हमास के एक शीर्ष आतंकवादी और गुर्गों को निशाना बनाया गया। इजरायल के रक्षामंत्री योयेव गैलेंट ने कहा कि हमास गाजा का आईएस है। वह ईरान के पैसों पर फलता-फूलता है। इजरायल उसके एक भी गुर्गे को जिंदा नहीं छोड़ेगा। पिछले शनिवार को हमलावर हमास आतंकवादियों ने नरसंहार के दौरान आईएस के झंडे लहराए थे।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हमास का हर लड़ाका अब 'मुर्दा' है। यह आतंकवादी

आकाश से पाताल तक कहीं भी छुप जाएं, इनकी मौत होकर रहेगी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गाजा पट्टी पर कभी भी जमीनी लड़ाई छिड़ सकती है। इसके लिए इजरायल की सेना पूरी तरह तैयार है। लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेच ने गुरुवार को स्पष्ट भी किया कि बल 'जमीनी अभियान की तैयारी कर रहे हैं।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी अधिकारी जॉन किर्बी ने कहा कि आज (शुक्रवार) अमेरिकी सरकार इजरायल से अपने नागरिकों को निकालने के लिए चार्टर उड़ानों की व्यवस्था करेगी। इसके अलावा यह विकल्प भी तलाशे जा रहे हैं कि क्या अमेरिकी नागरिकों को जमीन और समुद्र के रास्ते भी सुरक्षित स्वदेश लाया जा सकता है। किर्बी ने कहा है कि हमास के हमले में मारे गए अमेरिकी नागरिकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। अभी भी हमारे 14 नागरिक आतंकियों के कब्जे में है।

एक अन्य मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि चार दशक में पहली बार सब्त (शनिवार) के दिन इजरायल की एलअल एयरलाइन उड़ानों का संचालन करेगी। कहा गया है कि अमेरिका और एशियाई देशों से रिजर्व सैनिकों की वापसी के लिए यह परंपरा तोड़ी गई है। एलअल ने रब्बियों से विशेष मंजूरी के बाद न्यूयॉर्क और बैंकॉक से दो उड़ानों के संचालन करने का फैसला किया है।

युद्ध प्रभावित इजराइल से 254 नेपाली छात्रों की घर वापसी

काठमांडू (एजेंसी)। युद्ध प्रभावित इजराइल से बचाए गए 254 नेपाली छात्रों का एक समूह विदेश मंत्री एन पी सऊद के नेतृत्व में शुक्रवार को काठमांडू पहुंच गया।

इजराइल के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बृहस्पतिवार को उड़ान भरने वाला नेपाल एयरलाइंस का एक विमान दुबई रुकने के बाद आज सुबह यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विदेश मंत्री सऊद ने हवाई अड्डे पर उतरने के बाद संवाददताओं से कहा कि स्वदेश लौटने के लिए अनुरोध करने वाले अन्य नेपाली नगारिकों को भी जल्द वापस लाया जाएगा।

मंत्री ने बताया तेल अवीव में नेपाल के दूतावास ने स्वदेश लौटने और सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित होने के इच्छुक नागरिकों से आवेदन मांगे थे, इसके बदले में 557 नेपालियों ने अपना विवरण दिया। 'हिमालयन टाइम्स' अखबार ने मंत्री के हवाले से कहा, '557 नेपालियों में से 503 ने स्वदेश लौटने के लिए आवेदन किया था और उनमें से 254 आज हमारे साथ घर लौट आए हैं।'

मंत्री सऊद ने बताया कि जिन 54 नेपालियों ने जोखिम वाले क्षेत्रों से स्थानांतरित होने का अनुरोध किया था, उन्हें इजराइल में सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। फलस्तीन चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को दक्षिणी इजराइल में हवाई हमले किए, जिसमें 10 नेपाली छात्र मारे गए थे। छह छात्रों को बचा लिया गया और एक लापता है।

सऊद ने कहा, 'हमलों के बाद लापता हुए बिपिन जोशी की तलाश जारी है। जैसे ही हमें इस बारे में अतिरिक्त जानकारी मिलेगी, हम साझा करेंगे।' उन्होंने बताया, 'इजराइल की ओर से कहा गया है कि शवों को सौंपने में कुछ समय लगेगा क्योंकि कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना और प्रत्येक मृतक का विवरण अलग-अलग रखना आवश्यक है और इजराइल में शवों की संख्या काफी अधिक है।' उन्होंने मृतकों के परिजनों और रिश्तेदारों से धैर्य रखने का अनुरोध किया है।

इजरायल में खूनी तांडव मचाने वाली हमास की सबसे खतरनाक विंग 'नुखबा फोर्स', हाईटेक हथियारों से लैस

गाजा (एजेंसी)। गाजा में हमास को निशाना बना रहे इजराइल रक्षा बल ने कहा कि उन्होंने फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह के विशिष्ट कमांडो विंग नुखबा बल के खिलाफ हवाई हमले शुरू किए हैं। यह विशेष इकाई उस समय जमीन पर थी जब हमास ने शनिवार को देश पर सबसे खूनी हमला करते हुए दक्षिणी इज़राइल में घुसपैठ की। 'अल-नुखबा' जिसका अर्थ अरबी में 'कुलीन' होता है। यह समूह हमास की सैन्य शाखा इज़ अल-दीन अल-क़सम ब्रिगेड के रैंकों के भीतर प्रमुख लड़ाकू इकाई है। इसमें उच्च प्रशिक्षित और अनुभवी लड़ाके शामिल हैं जो नवीनतम हथियारों और प्रौद्योगिकी से लैस हैं।

इजरायली सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, नुखबा विशिष्ट बलों में हमास के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा चुने गए आतंकवादी शामिल हैं, जिन्हें घात, छापे, हमले, आतंकी सुरंगों के माध्यम से घुसपैठ के साथ-साथ एंटी-टैंक मिसाइल, रॉकेट, और स्नाइपर फायर जैसे आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए ट्रेंड किया गया है। इज़राइल को निशाना बनाकर घात लगाकर हमले करने के अलावा, वे हमास के वरिष्ठ नेताओं और उनकी सुविधाओं की सुरक्षा करने का भी काम करते हैं। इसके सदस्यों को बंधक बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है, यह एक ऐसी रणनीति है जिसे हमास अपनाता है। अल-नुखबा के सदस्यों को विभिन्न विषयों में कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है, जिसमें हथियारों और विस्फोटकों को संभालना, स्कूबा डाइविंग और हाथ से हाथ का मुकाबला शामिल है। मैदान पर, वे आम तौर पर परिष्कृत असॉल्ट राइफलों, स्नाइपर राइफलों और मशीनगनों से लैस होते हैं। उनके पास रॉकेट चालित ग्रेनेड और एंटी टैंक मिसाइलों तक भी पहुंच है। अल-नुखबा इकाइयां 2014 के गाजा युद्ध में शामिल थीं और उन्होंने इजरायली बलों के खिलाफ कई सफल हमले किए। ऑपरेशन प्रोटेक्टिव एज के दौरान इसके कई सदस्य मारे गए थे, जिसे 2014 में इज़राइल द्वारा शुरू किया गया था।

नए पोल में भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली, बाइडेन से चार अंकों से आगे

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, यदि 2024 का चुनाव अभी होता है तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों निक्की हेली और रॉन डेसेंटिस से हार जाएंगे और अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप से मामूली अंतर से आगे रहेंगे।

सर्वे के मुताबिक इडेन ने ट्रम्प (49 प्रतिशत से 48 प्रतिशत) पर एक अंक की बढ़त ले ली, जबकि हेली से चार अंक (49 प्रतिशत से 45 प्रतिशत) और डेसेंटिस से दो अंकों से पीछे रह गए। इस सप्ताह जारी, 6-9 अक्टूबर के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि भारतीय-अमेरिकी पूर्व दक्षिण कैरोलिना गवर्नर ने सितंबर के बाद से सबसे बड़ा लाभ हासिल किया। 10 प्रतिशत समर्थन के साथ उनकी संख्या दोगुनी हो गई है।

हेली ने डेमोक्रेट्स के बीच सबसे अधिक संख्या में दलबदल कराया (9 प्रतिशत ने उनका

समर्थन किया), जबकि ट्रम्प को सबसे कम (5 प्रतिशत डेमोक्रेट्स ने उनका समर्थन किया)। 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो चुके पूर्व कांग्रेसी विल हर्ड ने फोर्ब्स को बताया, 'उनके पास गति है, उनके पास अनुभव है, और वह एकमात्र व्यक्ति हैं, जो सर्वे में बाइडेन को लगातार हरा रही हैं।'

पिछले महीने सीएनएन पोल से पता चला था कि हेली एकमात्र रिपब्लिकन हैं, जो 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन को हरा सकती हैं। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है, 'दोनों के बीच एक काल्पनिक मैच में बाइडेन के 43 प्रतिशत के मुकाबले 49 प्रतिशत के साथ हेली बाइडेन पर बढ़त बनाने वाली एकमात्र रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं।'

फॉक्स न्यूज सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि कई कानूनी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की दौड़ में अपनी बढ़त बनाए रखी। 77 वर्षीय ट्रम्?प को रिपब्लिकन प्राथमिक मतदाताओं के बीच 59 प्रतिशत समर्थन मिला, और मार्च के बाद से वह 50 प्रतिशत से ऊपर रहे हैं और सितंबर में रिकॉर्ड 60 प्रतिशत तक पहुंच गए। अगस्त के अंत में अपनी पहली रिपब्लिकन प्राथमिक बहस के ठीक बाद, हेली ने कहा था कि ट्रम्प 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवार नहीं होंगे।

भारतीय-अमेरिकी ने कोविड राहत राशि से 163,750 डॉलर की चोरी का अपराध स्वीकार किया

न्यूयॉर्क, 13 अक्टूबर (वेब वार्ता)। कैलिफोर्निया के बेकर्सफील्ड के 50 वर्षीय एक भारतीय-अमेरिकी ने कोविड-19 राहत राशि में 163,750 डॉलर की चोरी करने का अपराध स्वीकार किया है। कैलिफोर्निया के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी ने घोषणा की। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, जसविंदर भंगू ने मई 2020 और नवंबर 2021 के बीच अमेरिकी लघु व्यवसाय प्रशासन से 250,000 डॉलर से अधिक के कोविड-19 राहत ऋण के लिए आवेदन किया था। आवेदनों में, उन्होंने झूठा दावा किया कि उनके पास कई कर्मचारियों और पर्याप्त राजस्व के साथ कई व्यवसाय हैं। उन्होंने यह भी दर्शाया कि उन्हें पिछले पांच सालों में किसी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया था, जबकि वास्तव में, वह बीमा धोखाधड़ी मामले में दोषी था। भंगू के झूठे दावे पर, उनके कुछ ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए, और उन्हें संघीय निधि से लगभग 163,750 डॉलर प्राप्त हुए, जिसके वे हकदार नहीं थे। 20 फरवरी, 2024 को अमेरिकी जिला न्यायाधीश एना डी अल्बा इस मामले में सजा सुनाएंगी। सूत्रों की मानें तो, अधिकतम वैधानिक दंड के रूप में 10 साल की जेल और 250,000 डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है। कैलिफोर्निया स्ट्राइक फोर्स अभियोजक के नेतृत्व वाली और डेटा विश्लेषक-संचालित टीमों का उपयोग उन लोगों की पहचान करने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के लिए करती है, जिन्होंने महामारी राहत निधि की चोरी की।

फ़िलिस्तीन ने जबरन विस्थापन को किया ख़ारिज, अमेरिका से कहा- इस तरह की घटना दूसरा नकबा होगी

न्यूयार्क (एजेंसी)। फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से कहा कि फ़िलिस्तीन गाजा में फ़िलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन को अस्वीकार करता है और इस तरह की घटना दूसरा नकबा होगी। तबाही के लिए अरबी शब्द नकबा, 1948 में इज़राइल के निर्माण के आसपास हुए युद्ध में फिलिस्तीनियों के बड़े पैमाने पर विस्थापन को संदर्भित करता है। रॉयटर्स ने आधिकारिक फ़िलिस्तीनी समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति ने ब्लिंकेन से कहा कि मानवीय आपदा को रोकने के लिए अवरुद्ध तटीय क्षेत्र में मानवीय गलियारों को तुरंत अनुमति दी जानी चाहिए। जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल पर बड़े पैमाने पर और अभूतपूर्व हमले करने वाले हमास के खिलाफ लड़ाई में इजरायल की सहायता की, ब्लिंकन ने शुक्रवार को जॉर्डन में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की।

इज़रायली सेना और हमास के बीच चल रहे युद्ध के 7वें दिन, इज़रायल ने गाजा शहर में सभी नागरिकों को निकालने का आह्वान किया, जिससे संकेत मिलता है कि जल्द ही एक जमीनी कार्रवाई होगी। इज़राइल ने संयुक्त राष्ट्र को अपने कर्मचारियों को आस-पास के इलाकों से हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया। गाजा लाखों फिलिस्तीनियों का घर है। इजराइल ने नागरिकों से उत्तर से दक्षिण की ओर जाने को कहा है। यदि इज़राइल ने ज़मीनी हमला किया तो भूमिगत सुरंगों वाला घनी आबादी वाला शहर नष्ट हो जाएगा। उत्तरी क्षेत्र की पूरी आबादी को 40 किलोमीटर लंबे दक्षिण की ओर पलायन करने के लिए कहा गया है।

गाजा के हमास शासकों ने गाजा में फिलिस्तीनियों से अपने घरों में स्थिर रहने और इजरायल के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने के लिए कहा। इजराइल ने कहा कि उसे हमास के सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की जरूरत है, जिसका ज्यादातर हिस्सा जमीन के अंदर दबा हुआ है और इसलिए नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए निकासी का आदेश दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में 3 विदेशी नागरिक 40 करोड़ की ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो महिलाओं सहित तीन विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के साथ, एक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। पुलिस ने 6.044 किलोग्राम मेथाक्वालोन ड्रग और 2.058 किलोग्राम हेरोइन भी बरामद की है, जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 40 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। आरोपियों की पहचान सिएरा लियोन के मूल निवासी पॉल जॉय (29) के रूप में हुई है। जॉय इस समय उत्तर नगर के ओम विहार में किराए के मकान में रहता है। वहीं पीस इलोबे (37) एडो स्टेट नाइजीरिया का निवासी है और इस समय कृष्णा पुरी में किराए के मकान में रहता है और स्टीफन (45) नाइजीरिया के आंकागी का निवासी है और इस समय मोहन गार्डन में किराए के मकान में रहता है। पुलिस के मुताबिक स्पेशल सेल को दिल्ली में ड्रग की तस्करी गतिविधियों में अफ्रीकी मूल के कई लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली थी। विशेष पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) एचजीएस धालीवाल ने कहा कि इस जानकारी को और विकसित किया गया, जिससे दिल्ली में ड्रग कार्टेल के सदस्यों की पहचान हो सकी। 6 अक्टूबर को विशेष जानकारी से संकेत मिला कि दिल्ली में अफ्रीकी मूल की दो महिलाएं शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच रंगपुरी इलाके में शिव मूर्ति के पास आएंगी, उनके पास मेथाक्वालोन की खेप होने की उम्मीद है और वे बेंगलुरु में संपर्कों को ड्रग पहुंचाने के लिए अहमदाबाद जाने वाली बस में चढ़ने वाली थीं। एचजीएस धालीवाल ने कहा कि शाम लगभग 7:30 बजे पॉल जॉय और पीस इलोबे के रूप में पहचानी जाने वाली दो महिलाओं को महिपालपुर से आते हुए शिव मूर्ति के प्रवेश द्वार के पास काले बैकपैक के साथ देखा गया और बाद में उन्हें पकड़ लिया गया। जब उनके सामान की तलाशी ली गई तो उसमें 5.032 किलोग्राम मेथाक्वालोन बरामद हुआ। पूछताछ करने पर दोनों महिलाओं ने दिल्ली, एनसीआर और अफ्रीकी मूल के व्यक्तियों के नेतृत्व वाले एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल में अपनी भागीदारी का खुलासा किया। उन्होंने खुलासा किया कि वे अहमदाबाद के लिए एक निजी-संचालित बस में चढ़ने की योजना बना रही थीं, जहां से वे मेथाक्वालोन डिलीवरी के लिए बेंगलुरु के लिए बस लेतीं। उन्होंने दिल्ली स्थित स्टीफन नामक अफ्रीकी नागरिक से मेथाक्वालोन खरीदने की बात स्वीकार की। जांच के दौरान आपूर्ति के मुख्य स्रोत और सिंडिकेट के सरगना के रूप में पहचाने गए स्टीफन को 10 अक्टूबर को मोहन गार्डन से गिरफ्तार किया गया था। एचजीएस धालीवाल ने आगे कहा कि उसके परिसर की तलाशी में 1.012 किलोग्राम मेथक्वालोन और 2.058 किलोग्राम हेरोइन मिली, जिससे इस मामले में ड्रग्स की कुल बरामदगी 6.044 किलोग्राम मेथक्वालोन और 2.058 किलोग्राम हेरोइन हो गई। गिरफ्तार किए गए तीनों ड्रग सप्लायर्स से गहन पूछताछ की गई और उन्होंने दो साल से अधिक समय से ड्रग तस्करी में शामिल होने की बात स्वीकार की। महिला वाहकों ने उल्लेख किया कि वे स्टीफन के निर्देशों के आधार पर दिल्ली, एनसीआर से बेंगलुरु और मुंबई तक ड्रग्स पहुंचाती थीं।

श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़कर हुई 37 प्रतिशत

नई दिल्ली। भारत में वर्ष 2023 में महिलाओं की श्रम बल भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 9 अक्टूबर को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23 के अनुसार देश में महिला श्रम बल भागीदारी दर 4.2 प्रतिशत अंक बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है। साल 2021-22 में यह दर 32.8 प्रतिशत थी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मुताबिक महिला श्रम बल भागीदारी दर में यह महत्वपूर्ण उछाल सरकार के दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विकास के नीतिगत उपायों के माध्यम से सुनिश्चित हुआ है। महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित निर्णायक एजेंडे के कारण श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी में बढ़ोतरी हो रही है। सरकार की पहल में लड़कियों की शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता सुविधा और कार्यस्थल में सुरक्षा शामिल हैं। इन क्षेत्रों में नीतियां और कानून, सरकार के 'महिला-नेतृत्व वाले विकास' एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 37 नये मामले सामने आए

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 37 नये मामले सामने आए तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या 349 दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, कोविड से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 5,32,037 हो गई है। देश में संक्रमण के अब तक 4,49,99,510 मामले सामने आ चुके हैं। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, संक्रमण से उबर चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,67,124 हो गयी है। संक्रमण से उबरने की दर 98.81 प्रतिशत, जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, देश में अब तक कोविड-19 टीकों की 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

गैंगस्टर अधिनियम मामले में सजा के खिलाफ मुख्तार अंसारी की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गैंगस्टर अधिनियम से संबंधित 23 साल पुराने एक मामले में सजायाफ्ता गैंगस्टर और राजनेता मुख्तार अंसारी की अर्जी पर उत्तर प्रदेश सरकार से शुक्रवार को जवाब मांगा। अंसारी ने मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पांच साल कैद की सजा सुनाए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में अर्जी दाखिल की थी, जिस पर योगी सरकार को नोटिस जारी किया गया है। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने अंसारी की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। उच्च न्यायालय ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत द्वारा मामले में अंसारी को बरी किए जाने के फैसले को दिसंबर 2020 में पलट दिया था। विशेष अदालत ने मऊ सदर निर्वाचन क्षेत्र से पांच बार विधायक रहे अंसारी को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि 'अभियोजन पक्ष अंसारी के खिलाफ अपराध साबित नहीं कर सका।'

छोटे कपड़ों में नाचना और इशारे करना नहीं है अश्लीलता

मुंबई। महिलाएं छोटे कपड़े पहनकर नाचती गाती है या इशारे करती है तो इसे अश्लीलता नहीं माना जा सकता है। ये टिप्पणी बॉम्बे हाई कोर्ट की है। कोर्ट का कहना है कि इसे अनैतिक कृत्य नहीं माना जा सकता है, जिससे कोई परेशान हो। सुनवाई के दौरान अदालत ने पांच लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 294 (अश्लीलता) के तहत दर्ज एफआईआर को रद्द कर दी। जस्टिस विनय जोशी, और जस्टिस वाल्मीकि मेनेजेस की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, हमारा मानना है कि आरोपी क्रमांक 13 से लेकर 18 तक (महिला डांसर) के छोटे स्कर्ट्स पहनना, उत्तेजक डांस करना या इशारे करने के कृत्य को, जिन्हें पुलिस अधिकारियों ने अश्लील माना, उन्हें अश्लील नहीं कहा जा सकता है। बेंच ने कहा कि वे भारतीय समाज के मौजूदा मानदंडों के बारे में जानते हैं, लेकिन आज के समय में महिलाओं का ऐसे कपड़े पहनना सामान्य है और स्वीकार्य भी है। कोर्ट ने कहा, हम कई बार फिल्मों में कपड़े पहनने के तरीकों को देखते हैं, जिन्हें सेंसरशिप में पास कर दिया गया है या सौंदर्य प्रतियोगिताओं में ऐसा देखते हैं, जिससे किसी को परेशानी नहीं हो रही है। इस मामले में धारा 294 लागू नहीं होती है। कोर्ट का कहना है कि अगर कृत्य सार्वजनिक जगह पर किया गया है, अश्लील हो या उससे किसी को परेशानी हो रही हो तो धारा 294 लगाई जा सकती है। हालांकि, ये मामला सार्वजनिक जगह पर नहीं हुआ। कोर्ट ने माना कि न तो वह अश्लील था और न ही उससे किसी को परेशानी हो रही थी।

बता दें कि पुलिस ने रिजॉर्ट और वॉटर पार्क के बैंक्वेट हॉल पर छापा मारा था, जहां 6 महिलाएं कथित तौर पर छोटी स्कर्ट्स में नाच रही थीं और लोग उन पर नोट उड़ा रहे थे। पुलिस ने महिलाओं और पुरुषों, दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 5 पुरुषों के खिलाफ दर्ज प्रकरण रद्द कर दिया।

अब दोनों देश मिलकर एलएसी पर बनाए रखेंगे शांति

–भारत-चीन के बीच 20वें दौर की बातचीत में लिया गया निर्णय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच कोर कमांडर लेवल की 20वें दौर की बातचीत हुई। यह मीटिंग लद्दाख सेक्टर के चुशुल-मोल्दो के पास हुई। भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, इस मीटिंग में भारत-चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल सहित अन्य मसलों पर बातचीत हुई। भारत के सैन्य अधिकारी ने चीन पर लद्दाख के देपसांग और डेमचोक से अपनी सेना हटाने का दबाव डाला। भारत और चीन ने बॉर्डर इलाकों में जमीनी स्तर पर शांति बनाए रखने पर सहमति जताई है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि दोनों देशों ने खुले और रचनात्मक तरीके से बातचीत की और अपने विचारों को साझा किया।

भारत की तरफ से 20वें दौर की बातचीत का नेतृत्व 14-कॉर्प्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली ने किया। वहीं, चीनी पक्ष की अगुआई साउथ शिनजियांग मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट चीफ ने किया। यह दूसरी बार है जब भारत-चीन के बीच कोर कमांडर लेवल की मीटिंग दो दिनों तक चली। इससे पहले 13 और 14 अगस्त को 19वें राउंड की मीटिंग में दोनों देश के बीच पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर विवाद को हल करने पर सहमति बनी थी।

वहीं इससे पहले 23 अप्रैल को हुई सैन्य वार्ता के 18वें दौर की बातचीत में भी भारत ने डेपसांग और डेमचोक में लंबित मुद्दों को हल करने की कोशिश की थी। हालांकि, तब कुछ खास नतीजा नहीं निकला सका था। भारत हमेशा से कहता रहा है कि जब तक बॉर्डर इलाकों में शांति नहीं होगी तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

–3 साल पहले गलवान झड़प के बाद बढ़ा तनाव

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर करीब 3 साल पहले 2020 में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 38 चीनी सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन इसे लगातार छिपाता रहा। गलवान घाटी पर दोनों देशों के बीच 40 साल बाद ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। गलवान पर हुई झड़प के पीछे की वजह यह थी कि गलवान नदी के एक सिरे पर भारतीय सैनिकों अस्थाई पुल बनाने का फैसला लिया था। चीन ने इस क्षेत्र में अवैध रूप से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना शुरू कर दिया था। साथ ही, इस क्षेत्र में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा रहा था।

संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को शराब घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। संजय सिंह की तीन दिन की ईडी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल के समक्ष पेश किया गया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद जज ने उन्हें 27 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सिंह ने शुक्रवार को ही अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। हाई कोर्ट सिंह की याचिका पर शुक्रवार को ही सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया जब उनके वकील ने मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की खंडपीठ के समक्ष मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया। सिंह ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देते हुए कहा है कि वित्तीय जांच एजेंसी ने उन्हें गिरफ्तारी का आधार नहीं बताया है। सिंह की ओर से बहस करने वाली वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने दावा किया कि ईडी के पास मामले में उनकी हिरासत बढ़ाने की मांग करने का कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं (सिंह) आपके मनगढ़ंत आरोपों पर दोष नहीं स्वीकार करूंगी।' अदालत ने सिंह को पेशी के दौरान मीडिया से बात नहीं करने का भी निर्देश दिया था और कहा था कि इससे सुरक्षा संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। जज ने पत्रकारों को यह भी निर्देश दिया कि वे उनसे सवाल न पूछें। वित्तीय जांच एजेंसी ने 4 अक्टूबर को नॉर्थ एवेन्यू इलाके में उनके आवास पर तलाशी लेने के बाद सिंह को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली की हवा में जहर बनने की हुई शुरूआत! वायु गुणवत्ता बिगड़ी, 15 अक्टूबर तक खराब श्रेणी में रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता, जो पिछले कुछ दिनों से बिगड़ रही थी, अब 237 AQI के साथ 'खराब श्रेणी' में आ गई है और कल 14 अक्टूबर तक इसी श्रेणी में रहने की उम्मीद है। आईएमडी के पर्यावरण निगरानी और अनुसंधान के प्रमुख विजय कुमार सोनी के अनुसार, ऐसी संभावना है कि केंद्र शासित प्रदेश में हवा की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है, क्योंकि रविवार, 15 अक्टूबर को बारिश होने की उम्मीद है। यह बारिश धूल के कणों को कम करने और सुधार में मदद कर सकती है।

दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खराब

सोनी ने कहा कि बारिश के बाद संभावना है कि राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता 'मध्यम' या 'संतोषजनक' श्रेणी में आ सकती है। एएनआई ने सोनी के हवाले से कहा कल, AQI 'खराब' श्रेणी में था। आज AQI 237 है, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। यह कल तक इसी श्रेणी में रहेगा. लेकिन 15 अक्टूबर के बाद बारिश होने की संभावना है, इससे AQI में सुधार हो सकता है और यह वापस 'मध्यम' या 'संतोषजनक' श्रेणी में आ जाएगापराली संकट

राष्ट्रीय राजधानी में किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने धान के खेतों में जैव अपघटक (बायो-डीकंपोजर) के छिड़काव को लेकर शुक्रवार को एक अभियान शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए दिल्ली सरकार राजधानी में 2020 से पूसा जैव अपघटक का इस्तेमाल कर रही है। यह जैव अपघटक एक माइक्रोबियल द्रव्य है, जो धान के अवशेषों को 15-20 दिनों में विघटित कर देता है।

दिल्ली सरकार ने धान के खेतों में बायो-डीकंपोजर के छिड़काव का अभियान शुरू किया

अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी के पीछे पराली जलाने के लिए खेतों में लगाई गई आग एक प्रमुख कारण होता है। राय ने कहा कि सरकार ने पिछले साल 4,400 एकड़ धान के खेतों में जैव अपघटक का छिड़काव किया था और इस सीजन में 5,000 एकड़ भूमि को कवर किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पंजाब में पराली बड़े पैमाने पर जलाई जाती है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कृषि प्रधान राज्य में आप सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से खेतों में आग लगाने की घटनाओं में कमी आएगी। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण में खेतों में जलाई गई पराली की अधिकतम हिस्सेदारी पिछले साल तीन नवंबर को 34 प्रतिशत और सात नवंबर 2021 को 48 प्रतिशत थी।

सिख गुरुओं का ऋणी है देश : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश सिख गुरुओं का ऋणी है। समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका वंदनीय है। शाह ने शुक्रवार को 'दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी' की ओर से आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सिख पंथ की गुरु परंपरा को वह शीश झुका कर प्रणाम करते हैं। सिख पंथ की 10 पीढ़ियों की गुरु परंपरा ने आक्रान्ताओं के सामने अन्याय और बर्बरता के खिलाफ संघर्ष और बलिदान का उत्कृष्ट उदाहरण दुनिया के सामने रखा है।

शाह ने कहा कि गुरुनानक देव जी ने अपने जीवन में 'चार उदासियां' से कई देशों के अंदर सर्वधर्म समभाव का उपदेश दिया। कर्नाटक से लेकर मक्का तक उनके चरण मिले हैं। बिना किसी स्वार्थ के प्रेम के संदेश के लिए उस जमाने में पैदल चल कर इतनी यात्रा करने की थी। सालों पहले जब सभी मजहब अपने-अपने पंथ को लेकर युद्ध लड़ रहे थे, उस दौरान नानक देव साहब से लेकर दशम पिता तक जो उपदेश दिए, उन उपदेशों पर आज पूरी दुनिया चल रही है।

शाह ने कहा कि सिख समुदाय धर्म व कर्म दोनों को समान रूप से लेकर आगे चलता है। धर्म के लिए जान देने की बारी आती है, तो एक सच्चा सिख कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखता। देश की आजादी से लेकर आज देश की सुरक्षा तक सिख भाइयों का बलिदान सबसे अधिक है।

कैलाश विजयवर्गीय का राहुल और प्रियंका पर बड़ा वार, बोले- दोनों ने झूठ के अलावा कुछ भी नहीं किया

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां कर रही है। राजनीतिक दलों का एक-दूसरे पर प्रहार भी जारी है। इन सब के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस के साथ-साथ प्रियंका गांधी और राहुल गांधी पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी हो या राहुल गांधी हो झूठ के अलावा वे कुछ भी नहीं हैं। पिछले चुनाव में भी राहुल गांधी ने किसानों को धोखा दिया। कांग्रेस अभी भी धोखा देने का काम कर रही है। भाजपा नेता ने कहा कि कल उन्होंने वन अधिकार के पट्टों को लेकर बोला, वन अधिकार के पट्टे सर्वाधिक भाजपा सरकार ने दिए। वनों में आदिवासियों के अधिकार को भाजपा ने सुरक्षित किया है। कांग्रेस जबरदस्ती झूठ बोलकर भाजपा पर आरोप लगा रही है। दरअसल, प्रियंका गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश में एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की परंपरा देखिए- वनाधिकार कानून आपके लिए लाया गया ताकि वनों पर पहला अधिकार आपका हो, क्योंकि यही आपकी संस्कृति है। इसे संरक्षित और मजबूत करने के लिए आपको वन अधिकार कानून दिया गया। यहां जो भी राजनीतिक नेता आता है वह तीन शब्दों का प्रयोग करता है- जल, जंगल, जमीन। लेकिन इसके अंतर्निहित अर्थ को समझना ज़रूरी है। क्या नेता सार्थक बात कर रहे हैं या ये आपके सामने आया एक 'जुमला' है। उन्होंने कहा कि यही कांग्रेस पार्टी की परंपरा और सिद्धांत रहा है। हम चाहते हैं कि देश की, राज्य की, आपके जिले की संपत्ति आपके हाथ में हो। हम चाहते हैं कि आप सशक्त बनें, आपको अपनी शक्ति मिले। जब आप विभिन्न पार्टियों के चुनावी भाषण सुनते हैं तो एक बात सोचते हैं - क्या वे आपकी सत्ता आपके हाथों में दे देंगे?

शीर्ष अदालत के आदेशों की अनदेखी नहीं कर सकते महाराष्ट्र विधानसभाध्यक्ष: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कई विधायकों की अयोग्यता से संबंधित याचिका पर फैसला करने में देरी को लेकर विधानसभा अध्यक्ष के प्रति नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को कहा कि वे 'शीर्ष अदालत के आदेशों की अनदेखी नहीं कर सकते।' प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा, 'किसी को विधानसभा अध्यक्ष को यह सलाह देनी होगी कि वह उच्चतम न्यायालय के आदेशों की अनदेखी नहीं कर सकते' और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से इस मुद्दे पर निर्णय लेने की समयसीमा के बारे में शीर्ष अदालत को अवगत कराने को कहा। सीजेआई ने कहा कि अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला अगले विधानसभा चुनाव से पहले लेना होगा, नहीं तो पूरी प्रक्रिया निरर्थक हो जाएगी। पीठ ने कहा कि अगर वह विधानसभा अध्यक्ष की समयसीमा से संतुष्ट नहीं होती तो वह निर्देश देगी कि निर्णय दो महीने के भीतर लिया जाये।

पीठ ने कहा, 'भारत के संविधान के विपरीत फैसला होने पर इस अदालत की व्यवस्था को माना जाना चाहिए।' पीठ ने संकेत दिया कि वह याचिका पर सोमवार या मंगलवार को सुनवाई कर सकती है। उच्चतम न्यायालय ने गत 18 सितंबर को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया था कि शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर फैसले के लिए समयसीमा बतायें।

मध्य प्रदेश की जनता को 'मामा' ने दिया धोखा, अब 'चाचा' पर करें भरोसा- सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी मध्य प्रदेश में एंट्री कर ली है। आप पार्टी के सीएम केजरीवाल ने कांग्रेस और बीजेपी को टक्कर देने के लिए रविवार को सतना में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने बिना किसी पार्टी का नाम लिए कहा कि उनकी सरकार पुरानी सरकारों के घोटालों और पुराने मंत्रियों द्वारा एकत्र किए गए पैसे निकलवाएंगे। सीएम शिवराज पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि राज्य में एक 'मामा' हैं, जिन्होंने प्रदेश के भांजे-भांजियों को बहुत धोखा दिया है। लेकिन इस बार राज्य की जनता 'मामा' पर नहीं बल्कि अपने इस 'चाचा' पर भरोसा जताए।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली और पंजाब की जनता का मानना है कि आप पार्टी को कोई 50 सालों तक हरा नहीं सकता है। ऐसे में मध्य प्रदेश की जनता से अपील है कि आप पार्टी को एक बार यहां से भी मौका दो, जिसके बाद लोग कांग्रेस और बीजेपी को भूल जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि हमारी पार्टी ईमानदार और देशभक्त लोगों की पार्टी है। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों का भविष्य बनाना चाहते हैं, अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं, तो आप पार्टी आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। केजरीवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अब आपका बेटा, भाई और चाचा आपके बीच आ गया है। इसलिए मुझ पर भरोसा जताना। उन्होंने कहा कि आज वह राज्य में लोगों को गारंटी देने आए हैं। साथ ही जब से उनकी पार्टी ने गारंटी देनी शुरू की है। तब से बीजेपी भी गारंटी-गारंटी करने लगी है। बीजेपी के नेताओं ने कहा ने कहा कि कि वह लोगों के अकाउंट में 15 लाख रुपए डालेंगे। लेकिन उनकी गारंटी झूठी है। चुनाव आने पर यह लोग एक-दूसरे को गाली देने लगते हैं। लेकिन हमारी पार्टी लोगों की समस्याओं के समझती है। बता दें कि सीएम केजरीवाल ने इस सभा में गारंटियों की घोषणा की है।

वायु सेना में जल्द शामिल होगी स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल

– बीडीएल को स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों के थोक उत्पादन की मंजूरी मिली

– मिग-29, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट 'तेजस' और नौसेना के मिग-29ए विमानों में लगेगी मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु सेना के हथियार खजाने में इस साल के अंत तक स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल शामिल हो जाएगी। इन मिसाइलों के थोक उत्पादन के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) को मंजूरी भी मिल गई है। हाल ही में तेजस विमान से भी इसका सफल परीक्षण किया गया था। भारतीय वायु सेना और नौसेना पहले से एस्ट्रा मिसाइल का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन अब एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों को भारतीय वायु सेना के मिग-29, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट 'तेजस' और भारतीय नौसेना के मिग-29ए विमानों के साथ लैस किये जाने की योजना है।

वायु सेना ने पहले ही इन मिसाइलों के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 2 अनुबंध कर रखे हैं। अब स्वदेशी एस्ट्रा एमके-1 बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल की क्षमता 100 किमी. से बढ़ा कर 160 किमी. कर दी गई है। साथ ही दोहरे पल्स रॉकेट मोटर की सहायता से 160 किमी. की विस्तारित सीमा के साथ एस्ट्रा एमके-2 को विकसित किया जाना है। भारतीय वायु सेना और नौसेना पहले से एस्ट्रा मिसाइल का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन अब एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों को भारतीय वायु सेना के मिग-29, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट 'तेजस' और भारतीय नौसेना के मिग-29ए विमानों के साथ लैस किया जा रहा है।

बीडीएल को स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों के थोक उत्पादन की मंजूरी भी मिल गई है। हाल ही में तेजस विमान से भी इसका सफल परीक्षण किया गया था। वायु सेना के हथियार खजाने में इस साल के अंत तक स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल शामिल हो जाएगी। वायु सेना एस्ट्रा एमके-2 का स्टेटिक फायर करके परीक्षण कर चुकी है। आने वाले वर्षों में एस्ट्रा एमके-1 और एमके-2 एयर टू एयर क्षेत्र में भारतीय वायु सेना का मुख्य हथियार होंगे। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान पहले ही एस्ट्रा मिसाइलों के साथ एकीकृत है और इसका उत्पादन भारत डायनामिक्स लिमिटेड कर रही है।

लद्दाख सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद दोनों सेनाओं के लिए 248 स्वदेशी एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल खरीदने का ऑर्डर किया गया था। इसमें 200 मिसाइलें वायु सेना के लिए और 50 नौसेना के लिए थीं। बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर 50 मिसाइलों की पहली खेप भारतीय वायु सेना को अक्टूबर, 2020 में मिली थी। यह मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटरमेशर्स से लैस है, इसलिए दुश्मन के प्रयासों को नाकाम करके अपने ऑपरेशन को अंजाम देती है। एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल 3.6 मीटर (12 फीट) लंबी है और 4.5 मैक की गति तक अधिकतम 20 किमी. (66 हजार फीट) की ऊंचाई से संचालित हो सकती है। इसकी अधिकतम सीमा हेड-ऑन चेस मोड में 110 किमी. (68 मील) और टेल चेस मोड में 20 किमी. (12 मील) है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में बीआरटीएस मार्ग पर बाइक ने पैदल यात्री को टक्कर मार दी बाइक चालक, एक महिला समेत तीन घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में एक अजीबोगरीब हादसा हुआ, जिसे देखकर पुलिस भी हैरान रह गई. बीआरटीएस मार्ग पर सड़क पार करते समय एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इसी दौरान पीछे से एक बीआरटीएस बस आई और कुछ दूरी पर रुकी। जिसके चलते बीआरटीएस बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई है. पुलिस पहले भी गोठा गयी थी. हालांकि मौके पर जाकर जांच करने पर पता चला कि किसी पैदल यात्री और बाइक सवार के कारण दुर्घटना हुई है। हालांकि पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है.

काम पर जाते वक्त हुआ हादसा रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 साल के नैनेश गोडसे अपनी मां सीमाबेन के साथ बाइक से सिविल हॉस्पिटल काम पर जा रहे थे. इसी दौरान बीआरटीएस रूट पर भेस्तान नहर के पास हादसा हो गया। तीन घायल हो गये. इसलिए तीनों को 108 के माध्यम से उपचार के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया।

बाइक सवारों में से तीन को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमें बाइक चालक नैनेश की हालत गंभीर है। जबकि उनकी मां को सिर में चोट लगने के कारण टांके लगवाने पड़े. वहीं पैदल चल रहे 55 वर्षीय वनपाल को भी सिर में गंभीर चोटें आईं। जब इसकी

जानकारी पुलिस को हुई तो सिविल ने संपर्क किया। हादसे को लेकर पुलिस भी दो थ्योरी से हैरान है। हालांकि घटनास्थल और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह बात सामने आई है कि बाइक चालक ने ही हादसे को अंजाम दिया है.

एसएमसी में अपनी जान-पहचान बताकर चार युवकों से 6.39 लाख की वसूले और फरार

सस्ते आवास में फ्लैट-दुकान दिलाने के नाम पर सिटीलाइट में धोखाधड़ी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सिटीलाइट के गाठिया ने नगरपालिका आवास में सस्ते दामों पर फ्लैट और दुकान दिलाने के नाम पर एक गार्ड समेत 4 युवकों से यह कहकर 6.39 लाख रुपए ऐंठ लिए कि उसकी एसएमसी में अच्छी पहचान है। 43 वर्षीय सनोजसिंह बिजेंद्रसिंह चौहान, जो भटार के ताड़केश्वरनगर में रहते हैं और पाल में जीआईएसएफ गार्ड के रूप में काम करते हैं, ने अलथान पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने रजनीश मंगू राठौड़ (निवासी, पनसगाम, सिटीलाइट) के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इसके अलावा, गार्ड को उसके एक दोस्त ने रजनीश से मिलवाया था। वेसू के वीआईपी रोड पर सुमन तापी अपार्टमेंट में दुकान खाली है, लेना हो तो बता देना, मेरी एसएमसी में अच्छी जान-पहचान है, गार्ड अपने भाई के साथ दुकान देखने को तैयार था। इसके बाद गार्ड ने गाथिया को 28,800 रुपये और 1.05 लाख रुपये के दो चेक दिए और वे चेक क्लियर हो गए। तब गाठिया ने गार्ड को बताया कि सुमन तापी में भी फ्लैट हैं। तो उसने एक दोस्त से बात की. तो दोस्त राहुल ठक्कर, विनोद माली और मितुल देसाई फ्लैट लेने के लिए तैयार थे।

गाठिया ने दोस्तों से 28,800 रुपए और 1.05 लाख रुपए के दो चेक भी लिए। 21 दिन में फ्लैट और दुकान देने का सपना दिखाकर गैथियो 6.39 लाख की रकम लेकर फरार हो गया। तापी में भी फ्लैट हैं। तो उसने एक दोस्त से बात की. तो दोस्त राहुल ठक्कर, विनोद माली और मितुल देसाई फ्लैट लेने के लिए तैयार थे। गाठिया ने दोस्तों से 28,800 रुपए और 1.05 लाख रुपए के दो चेक भी लिए। 21 दिन में फ्लैट और दुकान देने का सपना दिखाकर गैथियो 6.39 लाख की रकम लेकर भाग गया।

सूरत की ऑयल कंपनी समेत दो जगह से 6 लाख रुपए का गबन करने वाला कर्मचारी गिरफ्तार

शैलेंद्र उर्फ दीपक दुबे पहले जिस कंपनी में काम करता था, वहां से भी उसने 1.17 लाख रुपए का गबन किया था।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना स्थित बीआरसी कंपाउंड लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रियल पार्क स्थित एक ऑयल कंपनी समेत दो जगहों से 6 लाख रुपए का गबन करने वाले कर्मचारी को उधना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कर्मचारी ने बेटी के इलाज के लिए भुगतान जमा नहीं किया और निकासी प्राप्त कर ली और पैसे जमा नहीं किए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बारडोली के मूल निवासी और सूरत में अडाजण स्वामी नारायण मंदिर के बगल में ग्रीन हिल्स अपार्टमेंट में रहने वाले 45 वर्षीय भाविनभाई मुकेशभाई शाह बीआरसी में शाह एंटप्राइजेज के नाम से ऑटोमोटिव ऑयल और ग्रीस का कारोबार करते हैं। उधा में लक्ष्मीनारायण औद्योगिक पार्क का परिसर। शैलेन्द्र उर्फ दीपक ब्रिजेशकुमार दुबे (यू.वी. 33, रेस. 404, ए-ब्लॉक, सिल्वर प्लाजा अपार्टमेंट, आशादीप विधायल के पास, विष्णु पार्क सोसायटी, भैया नगर, पुनागाम, सूरत। मूल रूप से निवासी जोनपुर, उत्तर प्रदेश) ने व्यवसाय से परिचय कराया। नौकरी की जरूरत है दिसंबर 2021 में तेल बाजार में बेचने और भुगतान लेने के लिए 18 हजार रुपये के वेतन पर नौकरी पर रखा गया था।

एक साल बाद जब वह एक महीने के लिए घर गया तो एक अन्य कर्मचारी अमित टोटे बकाया भुगतान लेने गया तो पता चला कि शैलेन्द्र उर्फ दीपक ने भुगतान लेकर फर्म में जमा नहीं किया है और रसीद भी नहीं दी है। उन्होंने अपने खाते में ऑनलाइन पेमेंट भी जमा कर दी है। इसलिए, जब वह अपने गृहनगर से लौटे, तो जब उनसे पूछा गया, तो उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें 20 पार्टियों से पैसे मिले, जिन्हें उनकी बेटी के इलाज के लिए पैसे की जरूरत थी और उन्होंने 2,86,239 रुपये जमा नहीं किए। उन्होंने बेटी के इलाज के लिए 1.80 लाख रुपये भी निकाले और 9916 रुपये का तेल खरीद भुगतान छोड़ दिया। साथ ही कंपनी से कुल 4,82,155 रुपये का मोबाइल फोन तीन माह में लौटाने को कहा, लेकिन नौकरी छोड़ दी। शैलेन्द्र उर्फ दीपक पहले कुणालभाई राजेंद्रभाई मिश्रा और संदीपभाई त्रिलोकनाथ मिश्रा की पार्टनरशिप फर्म आर्यन ट्रेडर्स में काम करता था, लेकिन उसने पार्टियों से 1,17,200 रुपये प्राप्त किए और जमा किए। जब भाविनभाई ने अपराधी शैलेन्द्र उर्फ दीपक से पैसे की मांग की, उसने धमकी दी कि वह रुपये नहीं देगा और अगर मेरे पास आया या फोन कर रुपये मांगे तो जिंदा नहीं छोड़ूंगा। इसलिए भाविनभाई ने आखिरकार पिछले बुधवार को उधना पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ गबन की शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने उन्हें कल गिरफ्तार कर लिया।

सूरत में एक साथ दो बड़े धमाके,रात में चार्ज हुई ई बाइक की बैटरी,सुबह होते ही अचानक लगी आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पुना गांव में देर रात एक घर में उस समय आग लग गई जब चार्ज हो रही से जागे , इससे पहले ही बैटरी फटने से घर में रखे रसोई गैस सिलेंडर में आग फैल गई और पलक झपकते ही आग फैल गई। रसोई गैस सिलेंडर भी फट गया। एक के बाद एक दो जोरदार धमाकों से पूरा घर आग की चपेट में आ गया. गए। हालांकि , अग्निशमन विभाग के कर्मियों के मौके पर पहुंचने से पहले आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे 45 वर्षीय शिवलाल गगाजी रणपरिया, उनके 23 वर्षीय बेटे जतिन रणपरिया और 20 वर्षीय भतीजा मित रणपरिया

ई-बाइक की बैटरी फट गई. जैसे ही आग गैस सिलेंडर तक पहुंची, गैस सिलेंडर भी तेज धमाके के साथ फट गया, जिससे सोसायटी के निवासियों में भी दहशत और अफरा-तफरी मच गई। डबल ब्लास्ट आग की इस घटना में पड़ोसी युवक समेत एक ही परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से झुलस गए। इन सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां अब पता चला है कि इन सभी की हालत स्थिर है.

इलेक्ट्रिक बाइक की बैटरी में अचानक हुआ विस्फोट सूरत शहर के पुना गांव में कृष्णा पार्क सोसायटी के निवासी शिवलाल गगाजी रणपरिया ने कल देर रात अपनी इलेक्ट्रिक बाइक को चार्ज पर लगाया था। हर दिन की तरह बाइक चार्ज करने के बाद परिवार चैन की नींद सो गया। लेकिन, करीब साढ़े चार बजे इलेक्ट्रिक बाइक की बैटरी में अचानक विस्फोट हो गया. जिससे घर में आग लग गई। धमाके के साथ अचानक लगी आग से सो रहे परिवार के सदस्य भी सहम गए।

एक के बाद एक दो जोरदार धमाकों से शिवलाल रणपरिया सहित परिवार के सदस्य नींद

आग लगने के बाद मोहल्ले में दहशत ई-बाइक की बैटरी और रसोई गैस सिलेंडर में जोरदार धमाके के साथ आग लगने से सोसायटी के निवासी भी दहशत में आ गए। घटना गंभीर रूप से झुलस गया था इसके अलावा उनके पड़ोस में रहने वाले 35 वर्षीय जयेश लिम्बानी भी आग बुझाने की कोशिश में झुलस गए. इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत

की जानकारी तुरंत अग्निशमन विभाग को दी गई।साथ ही सोसायटी के निवासियों ने भी आग पर काबू पाने की कोशिश की।

बैटरी और सिलेंडर के टुकड़े 25 फीट दूर गिरे हालांकि, देर रात चार्ज की गई ई-बाइक की बैटरी में जोरदार विस्फोट के साथ आग लगने से घर में रखा एक गैस सिलेंडर भी नष्ट हो गया. एक गैस सिलेंडर और बैटरी में विस्फोट हो गया, जिससे दोनों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक उड़ गए।

घटना में चार लोग झुलस 108 एम्बुलेंस से संपर्क किया और इन चारों घायलों को तुरंत इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया।

सभी घर जलकर खाक हो गये, वहीं मौके पर पहुंचे अग्निशमन विभाग के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. हालांकि, जब तक दमकल की टीम पहुंची और आग पर काबू पाया, तब तक फर्नीचर समेत घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

सूरत के स्विमिंग पूल शुल्क वृद्धि के विरोध से नगर पालिका के भाजपा शासकों ने शुल्क कम करने के लिए आयुक्तको नोट दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा संचालित 18 स्विमिंग पूल की फीस बढ़ाने के फैसले का चारों तरफ से विरोध हो रहा है. पिछले दो दिनों से विभिन्न स्विमिंग पूल के बाहर स्विमिंग पूल के सदस्यों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विभिन्न स्विमिंग पूलों के बाहर विरोध प्रदर्शन ने शासकों को बैकफुट पर ला दिया है। नगर पालिका के भाजपा शासक स्विमिंग पूल शुल्क कम करें। आयुक्त को नोट, सूरत नगर निगम ने 18 स्विमिंग पूल की फीस 80 से 300 फीसदी तक बढ़ा दी है. सिंगणपुर में डिंडोली स्विमिंग पूल के बाहर कल और आज सुबह भारी विरोध प्रदर्शन हुआ. आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन तेज होने की संभावना है और कुछ सदस्यों ने भाजपा शासकों के खिलाफ आक्रामक विरोध प्रदर्शन करने की धमकी भी दी है और अगर उन्होंने नगरपालिका शुल्क कम नहीं किया।

स्वीमिंग पूल की फीस में बढ़ोतरी के खिलाफ लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों से सत्ताधारियों की आंखें खुल गई हैं और वे बैकफुट पर हैं। नगर पालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल ने आज मु. कमिश्नर शालिनी अग्रवाल को पत्र लिखा गया है। इस पत्र में कहा गया है कि, सूरत शहर द्वारा प्रबंधित सभी 18 स्विमिंग पूलों के सुचारू संचालन, सुरक्षा और रखरखाव के लिए, मासिक साधारण बैठक संकल्प संख्या मंजूरी के तहत 18 स्विमिंग पूलों के शुल्क मानदंड तय किए गए हैं। पांच साल बाद

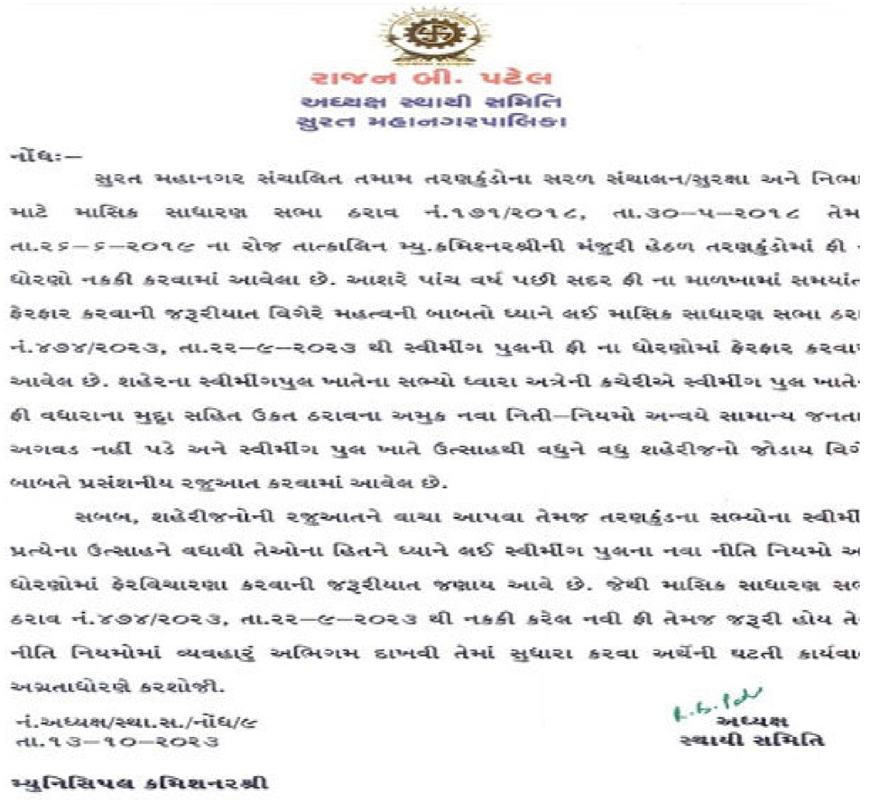

રાજન બી. પટેલ
અધ્યક્ષ સ્થાયી સમિતિ
સુરત મહાનગરપાલિકા

નોંધ:-

સુરત મહાનગર સંચાલિત તમામ તરણકુંડોના સરળ સંચાલન/સુરક્ષા અને નિભા માટે માસિક સાધારણ સભા ઠરાવ નં.૧૭૧/૨૦૧૮, તા.૩૦-૫-૨૦૧૮ તેમ તા.૨૬-૬-૨૦૧૯ ના રોજ તાત્કાલિન મ્યુ.કમિશનરશ્રીની મંજુરી હેઠળ તરણકુંડોમાં ફી ધોરણો નક્કી કરવામાં આવેલા છે. આશરે પાંચ વર્ષ પછી સદર ફી ના માળખામાં સમયાં ફેરફાર કરવાની જરૂરીયાત વિગેરે મહત્વની બાબતો ધ્યાને લઈ માસિક સાધારણ સભા ઠરા નં.૪૭૪/૨૦૨૩, તા.૨૨-૯-૨૦૨૩ થી સ્વીમીંગ પુલની ફી ના ધોરણોમાં ફેરફાર કરવા આવેલ છે. શહેરના સ્વીમીંગપુલ ખાતેના સભ્યો ધ્વારા અત્રેની કચેરીએ સ્વીમીંગ પુલ ખાતે ફી વધારાના મુદ્દા સહિત ઉકત ઠરાવના અમુક નવા નિતી-નિયમો અન્વયે સામાન્ય જનતા અગવડ નહી પડે અને સ્વીમીંગ પુલ ખાતે ઉત્સાહથી વધુને વધુ શહેરીજનો જોડાય વિગ બાબતે પ્રસંશનીય રજૂઆત કરવામાં આવેલ છે.

સબબ, શહેરીજનોની રજૂઆતને વાચા આપવા તેમજ તરણકુંડના સભ્યોના સ્વીમી પ્રત્યેના ઉત્સાહને વધાવી તેઓના હિતને ધ્યાને લઈ સ્વીમીંગ પુલના નવા નીતિ નિયમો અ ધોરણોમાં ફેરવિચારણા કરવાની જરૂરીયાત જણાય આવે છે. જેથી માસિક સાધારણ સ ઠરાવ નં.૪૭૪/૨૦૨૩, તા.૨૨-૯-૨૦૨૩ થી નક્કી કરેલ નવી ફી તેમજ જરૂરી હોય તે નીતિ નિયમોમાં વ્યવહારૂં અભિગમ દાખવી તેમાં સુધારા કરવા અર્થેની ઘટતી કાર્યવા અગ્રતાધોરણે કરશોજી.

નં.અધ્યક્ષ/સ્થા.સ./નોંધ/૯
તા.૧૩-૧૦-૨૦૨૩

અધ્યક્ષ
સ્થાયી સમિતિ

મ્યુનિસિપલ કમિશનરશ્રી

इस शुल्क को बढ़ाने की जरूरत पड़ी, जिसे देखते हुए मासिक साधारण सभा संकल्प संख्या 474/2023, दिनांक 229-२०२३ से स्विमिंग पूल शुल्क के मानदंडों में बदलाव किया गया है. लेकिन इस शुल्क वृद्धि का स्वीमिंग पूल के सदस्यों द्वारा विरोध किया जा रहा है और लोगों को परेशानी हो रही है. इसलिए स्विमिंग पूल के सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए स्विमिंग पूल के नए नीति नियमों और मानदंडों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। अत: मासिक सामान्य सभा के संकल्प क्रमांक 474/2023, दिनांक 229-2023 में नई फीस के प्रति व्यवहारिक दृष्टिकोण के साथ-साथ आवश्यक नीति नियमों में प्राथमिकता के आधार पर घटती प्रक्रियाओं के अर्थ में परिवर्तन करने को कहा गया है। इससे आने वाले दिनों में स्विमिंग पूल की फीस में कटौती की संभावना प्रबल हो गई है.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटो,वीडियो हमें भेजे